epaper.dehatsandesh.com

3 सामुदायिक बंधन को मजबूत करने के लिए कौमी एकता मीट का आयोजन

5 पैट कमिंस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए तैयार

8 सीएम योगी ने नाविकों का किया सम्मान

मौसम जम्मू
न्यूनतम 12
अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-54 | जम्मू तवी, शुक्रवार 28 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट : प्रधानमंत्री मोदी

लखनऊ/दिल्ली, 27 फरवरी। महाशिवरात्रि के दिन अंतिम अमृत स्नान के साथ प्रयागराज महाकुम्भ 2025 का 45 दिन बाद समापन हो गया। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में देश और दुनिया से 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य प्राप्त किया। इस भव्य, नव्य और दिव्य आयोजन की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को उनके परिश्रम, प्रयास और संकल्प की सराहना की। पीएम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट के जरिए प्रयागराज महाकुम्भ को एकता का महाकुम्भ बताते हुए कहा कि महाकुम्भ संपन्न हुआ, एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। महाकुम्भ में जिस भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की है वो सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और विरासत को सुदृढ़ और समृद्ध रखने के लिए कई सदियों की एक सशक्त नींव भी रख गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि महाकुम्भ संपन्न हुआ, एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। प्रयागराज में एकता के महाकुम्भ में पूरे 45 दिनों तक जिस प्रकार 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ी, वो अभिभूत करता है। पीएम ने कहा कि महाकुम्भ के पूर्ण होने पर जो विचार मन में आए, उन्हें मैंने कलमबद्ध करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में जिस भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की है वो सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और विरासत को सुदृढ़ और समृद्ध रखने के लिए कई सदियों की एक सशक्त नींव भी रख गया है। प्रयागराज का महाकुम्भ आज दुनियाभर के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के साथ ही प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए भी रिसर्च का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो देश का नया भविष्य लिखने जा रही है। समाज के हर व

र्ग और हर क्षेत्र के लोग इस महाकुंभ में एक हो गए। ये एक भारत श्रेष्ठ भारत का चिर स्मरणीय दृश्य करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया।

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी का सांसद होने के नाते मैं गर्व से कह सकता हूं कि योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुम्भ को सफल बनाया। केंद्र हो या राज्य हो, यहां ना कोई शासक था, ना कोई प्रशासक था, हर कोई श्रद्धा भाव से भरा सेवक था। हमारे सफाईकर्मी, हमारे पुलिसकर्मी, नाविक साथी, वाहन चालक, भोजन बनाने वाले, सभी ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव से निरंतर काम करके इस महाकुम्भ को सफल बनाया। विशेषकर, प्रयागराज के निवासियों ने इन 45 दिनों में तमाम परेशानियों को उठाकर भी जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा की है, वह अतुलनीय है। मैं प्रयागराज के सभी निवासियों का, यूपी की जन

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट के जरिए कहा कि प्रधानमंत्री जी, यह आपके यशस्वी मार्गदर्शन का ही सुफल है कि एकता, समता, समरसता का महायज्ञ महाकुम्भ-2025, प्रयागराज भव्यता-दिव्यता के साथ सुरक्षा-स्वच्छता-सुव्यवस्था के नवीन मानक गढ़कर आज संपन्न हो गया है।

जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा दिया जाएगा: केंद्रीय मंत्री अठावले

जम्मू, 27 फरवरी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने गुरुवार को दोहराया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वादे के अनुसार जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा दिया जाएगा।

जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अठावले ने अनुच्छेद 370 और 35(ए) को निरस्त किए जाने को पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सबसे बड़ी सफलता और उपलब्धि बताया।

राज्य के दर्जे के संबंध में उन्होंने कहा कि केंद्र ने इसका वादा किया है। यह कब बहाल होगा मैं सटीक नहीं कह सकता। लेकिन जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने पहले ही संसद के अंदर और यहां जम्मू-कश्मीर के बाहर भी इसका वादा किया है। लोग भी चाहते हैं कि इसे बहाल किया जाए और उन्हें यह मिलना चाहिए। इसलिए मैं बस इतना कह सकता हूं कि इस संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जा सकता है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि एक समय था जब पर्यटक जम्मू-कश्मीर जाने से डरते थे, लेकिन अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद यह बदल गया है।5 अगस्त, 2019 को केंद्र ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जो तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा

देता था। सरकार ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी विभाजित किया।

अठावले ने कहा, (पीएम) नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं और अनुच्छेद 370 को हटाना एक बहुत बड़ा कदम था, जिसने जम्मू-कश्मीर में विकास को मजबूत किया, आतंकवाद को खत्म किया और रोजगार के अवसर पैदा किए, साथ ही शांति स्थापित की और तिरंगा फहराने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि पहले लोग जम्मू-कश्मीर जाने से डरते थे, लेकिन अनुच्छेद 370 के हटने के बाद स्थिति बदल गई और पिछले साल 25 लाख से अधिक पर्यटक केंद्र शासित प्रदेश आए। उन्होंने कहा, 卐पर्यटन में वृद्धि का मतलब क्षेत्र के लिए अधिक विकास है। अनुच्छेद 370 को हटाना बहुत अच्छा निर्णय था। अब लोग चाहते हैं कि हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दें। जब (गृह मंत्री) अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को हटाने की घोषणा की, तो उन्होंने यह भी घोषणा की कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा मिलेगा और लोगों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।卐 मंत्री ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा मतदान की सराहना की। उन्होंने कहा, हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन सत्ता में आया, लेकिन इससे हमें कोई फ़र्क नहीं पड़ता क्योंकि हम लोगों के साथ हैं और क्षेत्र का विकास चाहते हैं। पुणे के व्यस्त स्वर्गेट डिपो में बस में 26 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार के बारे में पूछे जाने पर अठावले ने कहा कि ऐसी घटनाएं निंदनीय और दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने कहा, हम मांग करते हैं कि ऐसी घटनाओं के पीछे के दोषियों को फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले ही पुलिस को जांच में तेज़ी लाने और दोषियों को सज़ा दिलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं का मुकाबला करने के लिए समाज को आगे आने की ज़रूरत है जो बढ़ती जा रही हैं। ऐसी घटनाओं के पीछे के लोगों का बहिष्कार किया जाना चाहिए क्योंकि हम तीन से चार साल के बच्चों पर भी अत्याचार होते देख रहे हैं।

7 मार्च को चलेगी वंदे भारत

जम्मू,, 27 फ़रवरी। दिल्ली और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन जो बीते कई दिनों से बंद है वो अब 7 मार्च को फिर से षुरू हो जाएगा। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेषन पर चल रहे नान इंटरलाकिंग कार्य को लेकर बंद की गई थी लेकिन जम्मू में अब यह कार्य 6 मार्च को पूरा हो जाएगा जिसके बाद 7 मार्च को एक बार फिर से दिल्ली और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू हो जाएगा।

रेलवे प्रवक्ता का कहना है कि यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखें और अगर संभव हो तो वैकल्पिक व्यवस्था करें। अगर आपको और जानकारी की आवश्यकता है या अन्य ट्रेनों के बारे में जानना है, तो कृपया संबंधित रेलवे स्टेशनों या वेबसाइट पर संपर्क करें।

स्पीकर ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, विधायकों से जनता के मुद्दों पर ध्यान देने को कहा

जम्मू, 27 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने गुरुवार को यूटी सरकार के पहले बजट सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जो 3 मार्च, 2025 से शुरू हो रहा है।

जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान स्पीकर ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से अपने मतदाताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए जन सरोकार के मुद्दे उठाने का आग्रह किया। राथर ने कहा कि सदन आपका है। आप लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सभी नियमों का पालन करते हुए अनुशासित तरीके से कोई भी मुद्दा उठाएं।

भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा की इस दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए कि राष्ट्र-विरोधी या असंवैधानिक एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले किसी भी कार्य की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। स्पीकर ने कहा कि सदन सख्ती से कार्य के नियमों के अनुसार चलेगा। बैठक से पहले भी शर्मा ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए अपनी पार्टी के रुख को दोहराया था कि भाजपा द्वारा सदन में कोई भी 卐राष्ट्र-विरोधी या असंवैधानिक विधेयक, प्रश्न या प्रस्ताव पेश नहीं होने दिया जाएगा।卐 बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुबारक गुल, कांग्रेस के जी.ए. मीर, भाजपा के सुनील शर्मा और एस.एस. सलाथिया, पीडीपी के वलीद पारा, सीपीआई-एम के एम.वाई. तारिगामी और निर्दलीय विधायक मुजफ्फर इकबाल शामिल हुए।

अध्यक्ष ने सदन की प्रभावी कार्यवाही और उत्पादकता के लिए संवाद, सहयोग और सर्वसम्मति निर्माण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा और बहस में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया क्योंकि सदन के सत्र के दौरान जन कल्याण के मुद्दों को उजागर करने के लिए विधायक महत्वपूर्ण हैं।अध्यक्ष ने कहा बजट सत्र नीतिगत विचार-विमर्श और वित्तीय योजना के लिए एक महत्वपूर्ण समय है।

जम्मू-कश्मीर का बजट सत्र 3 मार्च से, नेता विपक्ष ने कहा- असंवैधानिक विधेयक पेश नहीं होने देंगे

जम्मू, 27 फरवरी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का लगभग एक महीने तक चलने वाला जम्मू-कश्मीर का बजट सत्र 3 मार्च से शुरू होगा। सदन में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने गुरुवार को कहा कि वे सत्र के दौरान किसी भी राष्ट्र-विरोधी या असंवैधानिक विधेयक को पेश नहीं होने देंगे। सुनील शर्मा ने यहां सिविल सचिवालय में जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लेने से पहले संवाददाताओं से कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में हमारा रुख स्पष्ट है। हम बजट सत्र में किसी भी असंवैधानिक और राष्ट्र-विरोधी विधेयक को पेश नहीं होने देंगे। बजट सत्र 3 से 25 मार्च और 7 से 11 अप्रैल तक दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। बैठक में भाजपा से सुनील कुमार शर्मा और सुरजीत सिंह सलाथिया, सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस से अली मोहम्मद सागर और मुबारक गुल, माकपा विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, कांग्रेस विधायक गुलाम अहमद मीर, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद गनी लोन, पीडीपी के वहीदुल रहमान पारा और निर्दलीय विधायक मुजफ्फर खान शामिल हुए।

कुपवाड़ा में भारी बर्फबारी से स्थानीय लोगों और किसानों को राहत मिली

जम्मू, 27 फ़रवरी। कश्मीर के मौसम विभाग ने पूरे क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी के लिए येलो एडवाइजरी जारी की है। कल से कुपवाड़ा जिले में मैदानी इलाकों में भारी बारिश हो रही है, जबकि ऊपरी इलाकों में काफी बर्फबारी हुई है। आज दोपहर मैदानी इलाकों में भारी बर्फबारी शुरू हो गई, जिसमें 5-6 इंच तक बर्फ जमा हो गई, जबकि जिले के ऊपरी इलाकों में एक फुट से अधिक बर्फबारी दर्ज की गई अचानक हुई लेकिन बहुत जरूरी बर्फबारी से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है क्योंकि पिछले दो महीनों से घाटी में असामान्य रूप से शुष्क सर्दी पड़ रही थी। किसानों और बागवानों ने बर्फबारी का स्वागत किया है क्योंकि यह क्षेत्र की कृषि और बागवानी के लिए जरूरी है। बर्फबारी से भूजल स्तर में सुधार होगा और आने वाले मौसम में बेहतर पैदावार सुनिश्चित होगी। अधिकारियों ने निवासियों को यात्रा करते समय सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि बर्फबारी के कारण सड़कों की स्थिति खराब हो सकती है।

स्कॉर्पियो पर पत्थर गिरने से दो की मौत

पुंछ, 27 फरवरी। सुरनकोट/ पुंछ राजमार्ग पर गुरुवार को ढेरियान जियारत के पास एक स्कॉर्पियो कार पर पत्थर लगने से दो लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में लगातार हो रही राजमार्ग पर बारिश के कारण ऊँचे पहाड़ों से पत्थर गिरने के कारण दोनों यात्रियों की मौके पर ही दम

तोड़ दिया था।

पत्थरबाजी जारी रहने के कारण यात्रियों से सावधानी बरतने के लिए अधिकारियों ने सुचना जारी की है जिससे यात्रियों को प्रभावित हिस्से से गुजरते समय सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

नियंत्रण रेखा के पास घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी

जम्मू, 27 फरवरी। सुरक्षाबलों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास घेराबंदी और तलाशी अभियान कई अन्य इलाकों में भी शुरू किया है ताकि बुधवार देर शाम सेना के वाहन पर गोलीबारी करने वाले आतंकवादियों को मार गिराया जा सकें।

जानकारी के अनुसार सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास एक जंगल में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों ने बुधवार को सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की जिसके बाद सेना और पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि फाल में तलाशी अभियान जारी है और छिपे हुए

आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए आज सुबह इसे नए इलाकों तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक आतंकवादियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबल घने जंगलों में आतंकवादियों की तलाश के लिए नवीनतम तकनीक, ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

गुरुवार को एक्स के माध्यम से सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि आतंकवादियों ने कल (बुधवार) को सुंदरबनी में भारतीय सेना के काफिले पर गोलीबारी की। गोलीबारी अप्रभावी थी और हमारे अपने सैनिकों ने तेजी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल अपने सैनिकों के हताहत होने का झूठा दावा कर रहे हैं। यह गलत और जानबूझकर गलत सूचना है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को मार गिराने के लिए फिलहाल तलाशी अभियान चल रहा है।

इसी बीच हीरानगर सेक्टर के दयालचक में गुराह बलदरा और आसपास के गांवों में एक आतंकवाद विरोधी अभियान तब शुरू किया गया है जब सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध फ्रीक्वेंसी वायरलेस सेट इंटरसेप्ट किया था। वायरलेस इंटरसेप्शन के बाद कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोभित सक्सेना और सेना और सीमा सुरक्षाबल के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन हीरानगर में एक संयुक्त बैठक की। अधिकारियों ने कहा कि तलाशी अभियान चल रहा है जबकि विभिन्न मार्गों पर विशेष जांच दल स्थापित किए गए हैं

पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया, आरोपी गिरफ्तार

सांबा, 27 फरवरी। सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन घगवाल में दर्ज चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से लगभग 37000.00 रुपये की चोरी की नकदी बरामद की। जानकारी के अनुसार 25.02.2025 को संजीव कुमार पुत्र बिसाखी राम निवासी धुलमा चक तहसील राजपुरा जिला सांबा ने पुलिस पोस्ट राजपुरा में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें बताया गया था कि कुल देवता स्थान बाबा बाली करण, धुलमा चक तहसील राजपुरा जिला सांबा से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगभग 37000.00 रुपये की नकदी चोरी कर ली गई है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन घगवाल में एफआईआर नंबर 34/2025 यू/एस 305, 331(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान प्रभारी पुलिस चौकी राजपुरा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने अथक प्रयासों और सावधानीपूर्वक जांच के बाद आरोपी सुरिंदर कुमार पुत्र राम पाल निवासी रामलू तहसील रामगढ़ जिला सांबा को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

गोवंश तस्करी के प्रयास विफल, 12 गोवंश बचाए गए

ऊधमपुर, 27 फ़रवरी। अवैध गोवंश तस्करी पर अंकुश लगाने के निरंतर प्रयास में उधमपुर पुलिस ने दो अलग-अलग तस्करी के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया, कुल 12 गोवंश बचाए गए।

पुलिस स्टेशन चेनानी की एक पुलिस टीम ने नाका चेकिंग ड्यूटी के दौरान एक टाटा मोबाइल जेके 14के-1765 को रोका। निरीक्षण करने पर 04 गोवंश क्रूरतापूर्वक बंधे हुए पाए गए और बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाए जा रहे थे।

चालक की पहचान खुर्शीद अहमद पुत्र गुलाम नबी निवासी मैत्रा, रामबन के रूप में हुई जिसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। बचाए गए गोवंश को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

संबंधित धारा के तहत मामला एफआईआर संख्या 22/2025 पुलिस स्टेशन चेनानी में दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

दूसरी घटना पुलिस चौकी रौंडोमेल के पास नियमित नाका चेकिंग के दौरान हुई जिसमें पुलिस स्टेशन उधमपुर की एक पुलिस टीम ने देखा कि पुलिस को देखते ही चालक वाहन को छोड़कर भाग गया है। वाहन में 8 गोवंश सवार थे जिन्हें मुक्त करवा लिया गया। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर करवाई शुरू कर दी है।

उपराज्यपाल ने महाराजा हरि सिंह डोगरा सम्मान पुरस्कार 2025 के प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया

जम्मू 27 फ़रवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू में महिला क्लब मेरी पहचान द्वारा आयोजित 'महाराजा हरि सिंह डोगरा सम्मान पुरस्कार 2025' के प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने राष्ट्र की सेवा में व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के लिए 'महिला क्लब मेरी पहचान' की सराहना की। प्रत्येक राष्ट्र और समाज को अपनी महान विभूतियों के बहुमूल्य योगदान को पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिनकी वजह से हम आजादी से जी पा रहे हैं, उनका सम्मान करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है।

उपराज्यपाल ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनसे युवाओं को प्रबुद्ध नागरिकों में बदलने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति के वर्तमान युग में, जहां एआई हमारे कार्य वातावरण को नया आकार दे रहा है, हमें परिवर्तन लाने में सक्षम मानव संसाधन तैयार करने की आवश्यकता है। उपराज्यपाल ने कहा, 卐विकसित जम्मू-कश्मीर की हमारी यात्रा में, हमें बहादुर सैनिकों, सामाजिक क्षेत्रों के नेताओं, किसानों, उद्यमी, युवा और महिलाओं के समर्थन की आवश्यकता है।卐 हमें आबादी के उन वर्गों की पहचान करने की जरूरत है जो भेदभावपूर्ण कानूनों के कारण पीछे रह गए हैं और उनके उत्थान के लिए काम करते रहना चाहिए। हमें एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाने की जरूरत है जहां ग्रामीण और शहरी विभाजन पूरी तरह से खत्म हो जाए। एक ऐसा जम्मू-कश्मीर जहां सामाजिक समानता हो और जो कानून के शासन और समान अवसर के सिद्धांतों पर चलता हो। एक ऐसा जम्मू-कश्मीर जहां पर्यटन, हस्तशिल्प, कृषि, बागवानी, उद्योग और सेवा क्षेत्र एक साथ काम करते हैं। उपराज्यपाल ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ समावेशी विकास के लिए काम कर रहा है।

दर्द से निपटने के आसान व असरकारी उपाय

सोच के साथ बदल सकता है हर तरह का दर्द

आप जितना अधिक अपने दर्द के बारे में सोचेंगे दर्द उतनी अधिक शिद्दत से महसूस होगा और आप इससे अधिक परेशान होंगे। अपने नजरिए में थोड़ा-सा सकारात्मक बदलाव लाकर आप दर्द के अहसास को निश्चित रूप से कम कर सकते हैं। कुछ विशेष तकनीकें भी अपनाई जा सकती हैं जैसे- ध्यान, मेडिटेशन, लॉफ्टर थेरेपी, सम्मोहन चिकित्सा आदि।

इन तकनीकों से दर्द के प्रति सोच व प्रतिक्रिया में निश्चित रूप से एक सकारात्मक बदलाव आता है और इसकी तीव्रता कम होती है।

कल्पनाशीलता का उपयोग करें

कल्पनाशीलता के सावधानीपूर्वक उपयोग से व्यक्ति में कई फायदेमंद शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं। इसमें व्यक्ति को ऐसे स्थान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जाता है, जहां दर्द न हो यानी दर्द से ध्यान हटाकर कहीं और लगाने की कोशिश की जाती है।

सोचने का तरीका बदलें

किसी खास स्थिति को लेकर आपके सोचने और रिएक्ट करने का ढंग आपके लिए उस स्थिति को बेहतर या बदतर बनाता है। यदि आप सोचेंगे कि मैं दर्द से बेहाल हूं, मेरा दर्द लगातार बढ़ता जा रहा है तो दर्द भी आपको पूरे दम-खम के साथ सालता रहता है। इसके विपरीत यदि आप सोचें कि गहरी-गहरी सांसे लेने से मेरा दर्द कम होगा और गहरी सांसें लेने लगें तो धीरे-धीरे दर्द के अहसास और तीव्रता में निश्चित तौर पर कमी आएगी।

वैज्ञानिक अनुसंधानों ने भी इस बात को साबित किया है कि यदि आप अपने मस्तिष्क को दर्द के प्रति अलग ढंग से प्रतिक्रिया करने की ट्रेनिंग देते हैं और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं तो दर्द के प्रभाव निश्चित रूप से घट जाते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि केवल 9 घंटे मस्तिष्क की इस प्रकार की ट्रेनिंग (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) से पुराने पीठ दर्द और अकड़न में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

- अपने दर्द को किसी ऐसी मशीन पर केंद्रित करने की कोशिश करें जिसे आप नियंत्रित कर सकते हों। अब आप उस मशीन की गति को कम करने की कल्पना करें। इससे दर्द की अनुभूति कम हो जाएगी।
- वर्ग पहेली, सुडोकू जैसे ध्यान बंटाने वाले खेल खेलें।
- कोई रोचक किताब पढ़ें।
- अपने परिवार व मित्रों के साथ समय बिताएं। इससे आपका ध्यान दर्द से हट जाएगा।

हो सकता है कि शुरुआत में ये उपाय करना मुश्किल लगें या ऐसा लगे कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला, लेकिन हार न मानें। कभी-कभी दर्द से ध्यान हटाना मुश्किल हो जाता है और अगर आप इस बारे में सोचना बंद ही नहीं करेंगे तो कोई उपाय या तकनीक काम नहीं कर पाएगी।

सम्मोहन चिकित्सा

कभी-कभी सम्मोहन चिकित्सा का इस्तेमाल दर्द से ध्यान हटाने के लिए भी किया जाता है। व्यक्ति को सम्मोहन की अवस्था में लाकर उसे सकारात्मक सुझाव दिए जाते हैं। दर्द से निपटने के तरीकों को उसकी मनोचेतना में डाला जाता है ताकि सम्मोहन से बाहर आकर भी व्यक्ति दर्द के प्रभाव को कम महसूस करे।

ध्यान व योग द्वारा भी दर्द से ध्यान हटाया जा सकता है। स्वयं को सुझाव देना (ऑटो सजेशन थेरेपी) भी कारगर होती है।

जलेबी के शौकीन हैं तो हो जाएं सावधान

जलेबी की मिठास के शौकीन हैं और इसे देखकर अगर आप अपने मन पर काबू नहीं रख पाते हैं तो हाल में हुए शोध से मिली जानकारी आपके लिए ही है।

हफिंगटनपोस्ट वेबसाइट पर प्रकाशित सर्वेक्षण में जलेबी को दुनिया के सबसे नुकसानदायक व मोटापा बढ़ाने वाले व्यंजनों में से एक माना गया है।

जलेबी में है खूब सारी कैलोरी

शोधकर्ताओं ने जलेबी में मौजूद कैलोरी और चासनी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना है।

एक जलेबी में 143 कैलोरी होती है और एक जलेबी में भला किसका मन भरता है। ऐसे में अगर आप 100 ग्राम जलेबी भी एक बार में खाते हैं तो जरा सोचें कि आप कितनी कैलोरी बढ़ाते हैं।

और भी कई व्यंजन

सेहत के लिए सबसे नुकसानदायक व्यंजनों में एकमात्र भारतीय व्यंजन जलेबी ही माना गया है। इसके अलावा, इटली का कैलज़ोन पिज्जा, ब्राजील का एक्रेजे, स्पेन का चूरोस,जॉर्जिया का खाचापुरी, फ्रांस का न्यूटेला क्रेप्स, स्कॉटलैंड के डीप फअराइड मार्स बार और जापान का रामेन सबसे नुकसानदायरक व्यंजनों की सूची में शामिल हैं।

एग्जैम में न करें आंखो को अनदेखा

आम तौर पर एग्जैम की डेट नजदीक आते ही लोग किताबों से चिपक जाते हैं। अच्छे रिजल्ट के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। फिर चाहे रात हो या दिन, लगातार उनकी आंखें किताबों के सामने होती हैं। लगातार पढ़ाई करने में सबसे अधिक दिमाग व आंखों का इस्तेमाल होता है। दिमाग की सेहत के लिए तो लोग न्यूट्रिशनल डाइट लेते हैं, पर आंखों की सेहत को नजर अंदाज कर देते हैं। डीडी के साथ जानते हैं एग्जैम के दौरान कैसे करें

आंखों की देखभाल

घंटों पढ़ते रहने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है। फोर्टिस हेल्थकेयर के ऑप्थेल्मोलॉजी विभाग के डॉ. संजय धवन बताते हैं कि एग्जैम के समय में बच्चे लगातार कई घंटों तक पढ़ते हैं, जिसके चलते उन्हें मायोपिया या कम दूरी की वस्तुओं को देखने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, क्योंकि बहुत पास की वस्तुओं को ध्यान से देखने से आंखों के लेंस के आकार को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं।

लगातार सिकुड़न आइबॉल को फैला देती है, जिसके चलते आइबॉल का आकार बदल जाता है।

पड़ता है दबाव

अधिकतर मामलों में स्टूडेंट अपनी पढ़ाई में इतना अधिक मशगूल हो जाते हैं कि उन्हें दिन के उजाले के धुंधले होने का पता भी नहीं चलता। इस कारण सिरदर्द, आइबॉल में जलन पीठ और गर्दन में दर्द की समस्या भी घेर लेती है। लगातार एक ही जगह पर ध्यान केंद्रित करने पर पलकें झपक नहीं पातीं। ऐसे में आंखों में सूखापन महसूस होता है, क्योंकि ब्रेन को ऑक्सीजन व ब्लड सर्कुलेशन ठीक करने के लिए कुछ समय चाहिए होता है।

तय करें पढ़ने का समय

स्वस्थ दिमाग और आंखों के लिए पढ़ाई का समय सीमित होना जरूरी है। मध्यरात्रि तक पढ़ना आंखों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। कम रोशनी में शब्दों को पेज पर देखने में मशक्कत करनी पड़ती है और लंबे समय तक यह दबाव बने रहने से मायोपिया की समस्या पैदा हो सकती है।

ब्रेक है जरूरी

पढ़ते समय कुछ मिनट ब्रेक लें और ध्यान हटाने के लिए एक्सरसाइज करें- अपना ध्यान आसपास की वस्तुओं से हटा कर दस फीट दूर की चीजों पर फोकस करें। इसके अलावा अपनी कोहनी को डेस्क पर रखें और हथेलियों को उपर की ओर रखें। अपने वजन को आगे की ओर आने दें और सिर को हाथों पर ऐसे टिकाएं कि आपके हाथ आंखों को कवर कर लें। आंखें बंद कर लें और गहरी सांस लें। चार सेकंड रुकें। फिर सांस छोड़ें। इस तरह गहरी सांस लेना 8-10 सेकंड तक जारी रखें। ऐसा दिन में कई बार करें।

ध्यान रखें

- स्टडी रूम की लाइट ऐसी होनी चाहिए जो आंखों को चुभे नहीं और देखने में कोई दिक्कत भी न हो। लाइट पीछे से नहीं सामने से आनी जरूरी है।
- जब पढ़ने से थकान महसूस करने लगें तो कुछ देर के लिए आंखें बंद कर लें।
- एक कप ब्लैक/ ग्रीन टी लें।
- रोजाना एक से दो बार पलकों के ऊपर,भौहों के आसपास की मांसपेशियों और माथे पर हलके हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें।
- गैस्ट्रोइंट्रालॉजिस्ट डा. दीप गोयल के मुताबिक ज्यादातर स्टूडेंट्स न्यूट्रिएंट डाइट के बजाय पिज्जा व बर्गर आदि जंक फूड खाना पसंद करते हैं। लेकिन इनसे बॉडी में जरूरी न्यूट्रिएंट तत्वों की कमी हो जाती है। इसलिए परीक्षा के दौरान इन सभी चीजों से परहेज करना जरूरी है। आयरन, कैल्शियम, जिंक युक्त पौष्टिक भोजन ही फायदेमंद होता है। ये सभी आंखों की सेहतके लिहाज से बेहतर होते हैं।
- दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट से करें। जिसमें अंडा, पोहा, ओट्स, उपमा, इडली व खिचड़ी आदि हों। जिनमें लिसेमिक की मात्रा कम हो और शरीर को प्याप्त ग्लूकोस मिले।
- बादाम, सेब, अंगूर, संतरा, अंजीर, अखरोट, किशमिश, सोयाबीन व मछली आंखों के लिए अच्छे होते हैं। स्टार्च वाली सब्जियां जैसे आलू, अरबी से बचें।

क्या करें जब बच्चे की नाक से निकले खून?

गर्मियों के मौसम में वयस्कों की तुलना में बच्चों की नाक से खून आने (नकसीर फूटने) के मामले कुछ ज्यादा ही बढ़ जाते हैं।

आम तौर पर बच्चों की नाक से खून आने के मामले नुकसानरहित होते हैं और कुछ समय बाद खून बहना स्वयं बंद हो जाता है। अधिकांश मामलों में यह समस्या बिल्कुल भी जानलेवा नहीं होती, लेकिन मां-बाप को चिंता हो ही जाती है। 9 प्रतिशत बच्चों में नकसीर फूटने के मामले बार-बार सामने आते हैं, इसका प्रमुख कारण नाक की बीच वाली हड्डी के सामने वाले भाग में रक्त की जो छोटी -छोटी नलिकाएं (ब्लड वेसेल्स) होती हैं, उन नलिकाओं में गर्मी के कारण शुष्कता (ड्राईनेस) आ जाती है।

प्राथमिक कारण

- नाक में उंगली डालने के कारण नाखून लगने से।
- गर्म मौसम के चलते नाक में मौजूद श्लेष्मा झिल्ली का सूख जाना।
- नाक में किसी बाहरी वस्तु का प्रवेश करना।

इस समस्या के कुछ कारण ऐसे भी होते हैं, जो बहुत सामान्य नहीं होते। जैसे..

- लिवर की बीमारी। इस कारण रक्त में थक्का बनाने वाले कारकों में कमी आ जाती है।
- वंशानुगत हैमोरेजिक टेलेनजीएकटेसिस नामक रोग के कारण भी नकसीर की समस्या पैदा हो सकती है।

उपचार

बच्चों में नकसीर फूटने के ज्यादातर मामले सामान्य होते हैं और किसी हस्तक्षेप के बगैर स्वयं ठीक हो जाते हैं। जब किसी बच्चे में यह समस्या देखने में आए, तो उपचार के बुनियादी पहलू का इस आधार पर आकलन किया जाता है कितना खून बह गया है।

बच्चे की नाक के रक्तस्राव को रोकने के लिए इस विधि पर अमल करें। पीड़ित बच्चे को बिठाकर थोड़ा आगे झुकाएं और घड़ी देखकर पांच मिनट के लिए हल्के से उसकी नाक दबाएं और साथ में बर्फ का इस्तेमाल भी करें। इसके साथ ही बच्चे की नाक से खून बहना 95 प्रतिशत रुक जाता है। खून बहने को रोकने के इस सरल उपाय के बाद बच्चा नियमित गतिविधियों को फिर से शुरू कर सकता है। अगर सीधे तौर पर दबाव देने के बाद भी नाक से खून बहना नहीं रुके, तो पीड़ित बच्चे को शीघ्र अस्पताल भेजना चाहिए। ऐसे रोगियों को चिकित्सकीय मदद की भी आवश्यकता होती है। नैजल पैक भी नाक में डालना पड़ सकता है। यहां तक की एंडोस्कोपिक आर्टरी लाइगेशन तकनीक की भी जरूरत पड़ सकती है।

जॉगिंग अधिक करने का भी हो सकता है नुकसान!

फिटनेस बरकरार रखने के लिए अगर आप मीलों जॉगिंग करना ही सेहतमंद तरीका मानते हैं तो इस गफलत से बाहर निकलें, दूसरा भी पहलू है।

अमेरिका के कार्डियोवास्कुलर रिसर्च इंस्टिट्यूट के शोध की मानें तो बहुत अधिक जॉगिंग करने से जल्दी मृत्यु का रिस्क बढ़ जाता है।

साथ ही, शोधकर्ताओं ने इस शोध में यह भी माना है कि हफ्ते में दो से तीन घंटे जॉगिंग करने वाले लोगों का जीवनसेहतमंद होता है और उनकी उम्र लंबी होती है।

शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 3,800 जॉगिंग करने वाले प्रतिबागियों को शामिल किया है। उन्होंने पाया कि औसतन 20 मील हफ्ते में दौड़ने वाले महिलाओं और पुरुषों में से 70 प्रतिशत प्रतिभागियों की औसत आयु सिर्फ 46 साल है।

शोधकर्ता डॉ. मार्टिन मैट्सुमुरा के अनुसार, हम अब तक जिस बात का पता नहीं लगा सके हैं वह दौड़ने और हमारे उम्र के बीच का संबंध है लेकिन इनका संबंध है, यह हम जरूर मान सकते हैं।

गर्मियों में करें पौष्टिक और हल्का-फुल्का नाश्ता

किसी के लिए स्नैकिंग सिर्फ भूख मिटाने का एक जरिया भर है तो किसी के लिए टाइम पास का जरिया। जो लोग लगातार 9-10 घंटे काम करते हैं, उनके लिए तो स्नैकिंग मजबूरी है, क्योंकि खाने में ज्यादा अंतराल आ जाए तो स्नैकिंग करना जरूरत बन जाती है।

स्नैकिंग का कारण जो भी हो, लेकिन आप हमेशा चाहेंगे कि वही खाया जाए जो सेहतमंद हो और एनर्जी दे और साथ ही साथ कम से कम वसायुक्त हो। मुश्किल यह है कि स्नेक्स के ऐसे विकल्प बाजार में नाममात्र ही हैं, जो इन सभी जरूरतों को पूरा करें।हम संकल्प तो लेते हैं कि कोई भी प्रकार का नाश्ता नहीं खाएंगे, लेकिन जैसे ही हाथ में मनपसंद स्नैक्स आ जाते हैं तो आप खुद को रोक नहीं पाते। फिर चाहे बाद में कैलोरी बढ़ने से होने वाले नुकसान के बारे में सोचकर परेशान होते रहें।

बाजार में उपलब्ध ज्यादातर नाश्ते शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले होते हैं। स्नैक्स में ढेर सारी कैलोरी, वसा, चीनी और नमक आदि का स्वाद चाहे उस वक्त जुबान को मजेदार लगे, लेकिन यही चीजें शरीर में कोलेट्रॉल का स्तर बढ़ा देती है। इससे उच्च रक्तचाप या मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा भी होता है। इतने नुकसान जानकर यही लगता है कि नाश्ता करते रहना सेहत को नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन लंबे समय तक भूखे रहना भी नुकसानकारी होता है। इसलिए जरूरत पड़ने पर स्नैक्स खाएं, लेकिन ये ध्यान रखें कि केवल पौष्टिक विकल्प ही अपनाएं।

स्नैकिंग के विकल्प

सेहतमंद नाश्ते वही होते है जिनमें कैलोरी बहुत कम हो इसलिए तले हुये स्नैक्स की बजाय सिके या भुने हुए स्नैक ही खाना चाहिये। मल्टीग्रेन या फ्लैक्स सीड से बनें स्नैक्स चुनें। फ्लैक्ससीड में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है जो त्वचा और दिल को सेहतमंद रखने में सहायक है। इसी तरह से मल्टीग्रेन भी फाइबर का अच्छा स्त्रोत है जो कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। मल्टीग्रेन स्नैक्स एक अच्छा विकल्प है क्योंकि इससे अनाज के सारे पोषण मिल जाते है। बाज़ार से स्नैक खरीदने के बजाय घर में स्नैक्स तैयार करके रख लें। सिके परमल, भुने चने, धानी सिके पोहे आदि में नमक मसाले आदि मिलाकर बघार लें। अपने साथ एक सेवफल या अंगूर आदि फल भी रख सकते हैं।

फायदे

डायटीशियन हमेशा खाने के बीच के अंतराल में स्नैक्स खाने पर ज़ोर देते हैं। स्नेक्स में फल, सब्जियां, मल्टीग्रेन, कम वसा के स्नैक्स को शामिल करना चाहिए। इसके अलावा जो पोषक तत्व खाने में नहीं ले पाते वो सेहतमंद स्नैक्स खाने से मिल जाते हैं, जो वसा में सुधार करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं।

स्वस्थ जीवन के 4 आधार

सही निदान, समय पर शुरू किया गया इलाज और प्रभावी दवा किसी भी बीमारी से उबरने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन मानव शरीर मशीन नहीं होता और बीमारी के ठीक होने की प्रक्रिया हर किसी में अलग-अलग तरह से होती है। आपकी शारीरिक अवस्था, रोग प्रतिरोधक क्षमता और इच्छाशक्ति भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पेश है सेहतमंद जीवन के चार अहम आधार

आहार से बने शरीर – स्वास्थ्यवर्धक आहार बीमारियों से बचाव का कारगर उपाय है। कैंसर के एक तिहाई मामलों में कहीं न कहीं पोषण की कमी ज़िम्मेदार होता है। रोगाणुओं का आक्रमण होने पर शरीर इससे किस तरह उबरता है, यह आपके आहार पर काफी निर्भर होता है। शरीर को सभी पोषक तत्व मिलने से रोग प्रतिरोधक प्रणाली बेहतर ढंग से कार्य करेगी।

अच्छे खानपान से स्फूर्ति बनी रहती है। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों मिलते रहें तो कोशिकाओं का पुनर्जीवन और ऊतकों की मरम्मत आसानी से होती है। दूसरी ओर शरीर में इनकी कमी हो तो यह काम मुश्किल हो जाता है और बीमारी से उबरने के लिए शरीर को मशक्कत करनी पड़ती है या वो यह काम ठीक से कर ही नहीं पाता। नतीजा बीमारी के रूप में सामने आता है।

कसरत बनाए ताकतवर – अधिकतर बीमारियों से उबरने के लिए आराम जरूरी होता है। लेकिन आराम करके कुछ ठीक होने के बाद शारीरिक गतिविधि फिर से शुरू करना भी उतना ही जरूरी है। इससे मांसपेशियां तो मजबूत होंगी ही, मनोबल भी बढ़ेगा।

व्यायाम करने के लिए ज़रूरी नहीं कि जिम या हेल्थ क्लब जॉइन किया जाए, पैदल चलना या घर के काम करना भी उतना ही फायदेमंद होता है। हर हफ्ते कम से कम पांच दिन तीस मिनटों के लिए कोई ऐसा काम या गतिविधि करें जिससे आपको थोड़ी थकान महसूस हो।

सुखद-सुहानी नींद – आपने कभी ध्यान दिया होगा कि जब थके होने पर आप संक्रमण के कब्जे में जल्दी आते हैं। अमेरिका स्थित कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के एक शोध से पता चला कि व्यक्ति जितनी कम नींद लेगा, सर्दी-जुकाम की चपेट में उतना ही आसानी से आ जाएगा।

ऐसा इसलिए हो सकता है कि नींद की कमी से रोग प्रतिरोधक प्रणाली प्रभावित होती है और इसकी संक्रमण से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

हमारे शरीर को चलायमान और स्वस्थ रखने के लिए निरंतर कई तंत्र काम करते रहते हैं। इन प्रक्रियाओं के दौरान छोटी-मोटी टूट-फूट भी होती हैं। इस तरह की मरम्मत का काम शरीर तब करता है तब हम आराम करते हैं। जब हम सो रहे होते हैं तो अन्य प्रणालियों का काम धीमा हो जाता है इसलिए शरीर इससे बची ऊर्जा को मरम्मत के लिए इस्तेमाल करता है।

यह तो स्वस्थ शरीर की बात हुई। बीमारी या चोट के कारण शरीर में हुई क्षतिपूर्ति के लिए अधिक आराम की आवश्यकता होती है।बढ़िया नींद मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। नींद पूरी न होने पर आप शारीरिक और मानसिक तौर पर उतना अच्छा महसूस नहीं करते हैं। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती उन्हें दर्द का एहसास अधिक होता है और उन्हें बीमारी से उबरने के लिए समय भी अधिक लगता है।

सकारात्मक सोच – किसी भी बीमारी से उबरने में सकारात्मक सोच का बड़ा महत्व है। सकारात्मक सोच का बड़ा फायदा तब मिलता है जब दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवनशैली में कोई बड़ा परिवर्तन घटित होता है। इस सब के अलावा आप इस परिवर्तन से क्या और कितनी उम्मीदें लगा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर यदि आप उच्च रक्तचाप से छुटकारा पाने के लिए जीवनशैली में परिवर्तन कर रहे हैं, और खानपान पर सख्त नियंत्रण साध रहे हैं तब तो आप यह उम्मीद भी करें क्योंकि इससे आपका वजन भी कम होगा। मोटापे से मुक्ति मिलने के साथ ही आप कई रोगों के जोखिम से भी दूर हो जाएंगे।

शोधों से पता चला है कि जीवन के प्रति सकारात्मक सोच से स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है। न्यूयॉर्क में हुए इस शोध अध्ययन के मुताबिक जो लोग खुशहाल जिंदगी जीते हैं उन्हें दिल के दौरे का जोखिम भी कम रहता है। यद्यपि इसकी पुख्ता वजह नहीं मालूम हो सकी है लेकिन संभवतः खुश रहने वाले लोग जीवन के तनाव को दूसरों की अपेक्षा ज्यादा अच्छे से झेल पाते हैं।

इसी कारण अतिरिक्त तनाव का बुरा असर शरीर पर नहीं हो पाता। इसके विपरीत जो लोग जीवन से निराश रहते हैं और आपने बुरे हाल के लिए बाहरी दुनिया को लगातार कोसते रहते हैं उनकी सेहत भी खराब रहती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

महिला सशक्तिकरण पर 7 दिवसीय शीतकालीन शिविर का उद्घाटन किया

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज रामगढ़ की एनएसएस इकाई प्रभा ने महिला सशक्तिकरण विषय पर अपने सात दिवसीय विशेष शीतकालीन शिविर का उद्घाटन समारोह के साथ उत्साहपूर्ण तरीके से किया। 3 मार्च तक चलने वाले इस शिविर का उद्देश्य व्यक्तित्व विकास, सामुदायिक आउटरीच और पर्यावरण संरक्षण सहित सामाजिक सेवा गतिविधियों में एनएसएस स्वयंसेवकों को शामिल करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। जीडीसी रामगढ़ की प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) गीतांजलि अंडोत्रा ने शिविर का उद्घाटन किया और सम्मानित संसाधन व्यक्ति, डॉ. कैलाश शर्मा, राजकीय एमएएम पीजी कॉलेज, जम्मू के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, संकाय सदस्यों और उत्साही एनएसएस स्वयंसेवकों का स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. अंडोत्रा ??ने एनएसएस मूल्यों के महत्व पर जोर दिया तथा छात्रों से सामाजिक सेवा पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने एनएसएस के आदर्श वाक्य, नॉट मी बट यू पर प्रकाश डाला, तथा छात्रों को सामाजिक उत्थान के लिए काम करने तथा समुदाय-संचालित गतिविधियों के माध्यम से सहानुभूति विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. कैलाश शर्मा ने राष्ट्र निर्माण में एनएसएस के महत्व पर एक ज्ञानवर्धक सत्र दिया जिसमें इसके लोगो तथा इतिहास के पीछे के अर्थ पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। उठो, जागो, तथा तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उन्होंने काग चेष्टा, बको ध्यानम, श्वान निंद्रा, अल्प-आहारी तथा गृह त्यागी के ज्ञान को भी साझा किया तथा छात्रों को दृढ़ संकल्प, ध्यान तथा अनुशासन विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वयन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. ब्रह्म दत्त ने किया जिसमें संकाय सदस्यों डॉ. अदिति खजूरिया, अशोक कुमार, डॉ. शिवाली पंजगोत्रा, डॉ. नीरज, डॉ. सुशील कुमार, अंजलि, प्रिया शर्मा, सायमा और दर्पण मल्होत्रा का सहयोग रहा।

सामुदायिक बंधन को मजबूत करने के लिए कौमी एकता मीट का आयोजन

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। एकता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल में, भारतीय सेना ने स्वास्थ्य केंद्र परात में कौमी एकता मीट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सरपंचों, पंचों, पूर्व सैनिकों, स्कूल शिक्षकों और मंदिरों और मस्जिदों के धार्मिक प्रचारकों सहित 32 स्थानीय प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह मीट स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करने और समुदायों और सेना के बीच बंधन को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। राय निर्माताओं ने जिला विकास समिति के लाभों पर प्रकाश डाला और सार्वजनिक शिकायतों को दूर करने के लिए इसकी कार्य प्रणाली के बारे में बताया। सेना के अधिकारियों ने युवाओं की भागीदारी, रोजगार सृजन और समग्र सामाजिक उत्थान में उनकी भूमिका पर जोर देते हुए विभिन्न सद्भावना और संपर्क पहलों के बारे में भी लोगों को जानकारी दी। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में सतत विकास लाना और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

इस अनौपचारिक सभा में ग्रामीणों ने भारतीय सेना के प्रयासों की सराहना की और लोगों का खूब स्वागत किया। उन्होंने सेना से भविष्य में भी इसी तरह की बैठकें आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि नागरिक-सैन्य संबंधों को और मजबूत किया जा सके और जमीनी स्तर पर लोगों की चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सके

स्मार्टपीएलएस-एसईएम का उपयोग करके स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग पर कार्यशाला आयोजित की

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। स्कूल ऑफ बिजनेस ने स्कूल ऑफ बिजनेस और स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के शोध विद्वानों के लिए स्मार्टपीएलएस-एसईएम का उपयोग करके स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों की उच्च गुणवत्ता वाले शोध के लिए आवश्यक उन्नत डेटा विश्लेषण तकनीकों की समझ को बढ़ाना था।

सत्रों का नेतृत्व डॉ. धवल महेता, प्रोफेसर, व्यवसाय और औद्योगिक प्रबंधन विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत ने किया, जो मात्रात्मक और गुणात्मक शोध विधियों के एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं। उन्होंने पीएलएस-एसईएम के बारे में गहन जानकारी दी जिसमें इसके सैद्धांतिक आधारों के साथ-साथ व्यावहारिक अनुप्रयोगों को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल था जिससे विद्वान अपने शोध में तकनीक को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। कार्यशाला का आयोजन प्रो. ज्योति शर्मा ने किया जिसमें डॉ. शाजिया समन्वयक के रूप में कार्यरत थीं। डॉ. सरबजोत सिंह और डॉ. दिव्या सिंह जम्वाल सहित संकाय सदस्यों ने शोध विद्वान मनीष कुमार और अद्वितीय इंदु महाजन के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ जिसमें शोध विद्वानों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। प्रतिभागियों ने शोध उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए ऐसे मूल्यवान शिक्षण अवसर प्रदान करने के लिए माननीय कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया।

एनएसएफ ने चंद्रशेखर आजाद की 94वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। नेशनल सेक्युलर फोरम ने शहीद चंद्रशेखर आजाद को उनकी 94वीं पुण्यतिथि पर यूनिवर्सिटी कैंपस में श्रद्धांजलि दी। चंद्र शेखर आजाद जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारों के बीच धरतीपुत्र के चित्र पर माल्यार्पण किया। अंकुश अबरोल प्रांतीय संयुक्त सचिव जेकेएनसी मुख्य अतिथि थे जबकि डॉ. विकास शर्मा समन्वयक जम्मू जिला और क्षेत्रीय सचिव जेकेएनसी ने समारोह की अध्यक्षता की और पपिंदर सिंह, राज्य कार्यकारी अध्यक्ष एनएसएफ विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर बोलते हुए अंकुश अबरोल ने शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि को याद करने के लिए एनएसएफ सदस्य द्वारा की गई पहल की सराहना की। अबरोल ने चंद्र शेखर आजाद के जीवन और उनके सर्वोच्च बलिदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि समाज में व्याप्त नशाखोरी जैसी बुराइयों को खत्म करना होगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार होने के बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश होने पर उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्र और निवास स्थान जेल बताया था। उन्हें स्वतंत्रता संग्राम के सबसे प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक माना जाता था। डॉ. विकास शर्मा ने कहा कि इस देश की आजादी के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। भारत की आजादी के लिए फांसी पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के लोगों में से एक आजाद थे।

भगवान दास शर्मा बने विमुक्त घुमंतू जनजाति विकास परिषद के जम्मू कश्मीर अध्यक्ष

जम्मू, 27 फरवरी (हि.स.)। विमुक्त घुमंतू जनजाति विकास परिषद (अखिल भारतीय) की तरफ से भगवान दास शर्मा को घुमंतू जनजाति विकास परिषद का जम्मू कश्मीर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भीकू रामजी इदाते तथा राष्ट्रीय कार्यवाह अनिल फड की तरफ से भगवान दास शर्मा को इस पद की जिम्मेदारी दी गई।

वहीं संगठन की तरफ से विश्वास जताया गया है कि पिछले लंबे समय से सामाजिक तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाते आ रहे भगवान दास शर्मा संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे। वहीं दूसरी तरफ विमुक्त घुमंतू जनजाति विकास परिषद के जम्मू कश्मीर अध्यक्ष बनाए जाने पर भगवान दास शर्मा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूरी राष्ट्रीय टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन पर जो जिम्मेदारी दी गई है उसके लिए वह संगठन के आभारी हैं और उनका प्रयास रहेगा की संगठन के साथ जुड़कर समाज के हर वर्ग की बेहतरी के लिए काम किया जाए और उन जातियों को आगे लाया जाए जो आज भी काफी पिछड़े हुई हैं और सरकार की योजनाओं का उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा है।

कैथ म्यूजिक फैक्ट्री ने गुरु ग्यागी पर भक्ति गीत जारी किया

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। गुरु ग्यागी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए कैथ म्यूजिक फैक्ट्री ने जम्मू के भगवती नगर स्थित अपने स्टूडियो में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में एक भक्ति गीत जारी किया। प्रसिद्ध कलाकार गंधर्व मोटन द्वारा गाया गया यह गीत आध्यात्मिकता से भरपूर है, जिसका संगीत स्वर्गीय सुरिंदर सिंह मन्हास ने तैयार किया है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए आर.एल. कैथ ने सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और युवा पीढ़ी में आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों में कम उम्र से ही आध्यात्मिक मूल्यों को विकसित करें ताकि उनकी जड़ों से जुड़ाव मजबूत हो सके।

'अनुच्छेद 370 पर विपक्ष का शोर प्रासंगिक बने रहने के लिए है'

श्रीनगर, 27 फरवरी (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के वरिष्ठ नेता और लाल चौक के विधायक अहसान परदेसी ने गुरूवार को विपक्षी पीडीपी की अनुच्छेद 370 पर अनावश्यक शोर मचाने की आलोचना की और कहा कि यह शोर पार्टी को प्रासंगिक बनाने के लिए है क्योंकि हाल ही में जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनावों में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

एनसी नेता अहसान परदेसी ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) अनुच्छेद 370 के मुद्दे से भटकी नहीं है। विपक्ष को प्रासंगिक बने रहना है क्योंकि हाल ही में जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनावों में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। वे केवल तीन सदस्यों तक सीमित रह गए हैं। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे हमें पांच साल बाद जवाबदेह बनाएं। उन्होंने (लोगों ने) हमें मुद्दों को हल करने के लिए पांच साल का जनादेश दिया है। उन्होंने 3 मार्च से शुरू होने वाले आगामी बजट सत्र पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मैं आश्वासन देता हूं कि बजट लोगों के पक्ष में होगा और इससे आने वाले वर्षों में उन्हें काफी लाभ होगा।

मिशन युवा को मजबूत करने के तौर-तरीकों पर हुई चर्चा

कठुआ 27 फरवरी (हि.स.)। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा की अध्यक्षता में कठुआ में मिशन युवा के तहत संस्थागत व्यवसाय सहायता तंत्र पर एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई।

सभी हितधारकों के बीच भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ सुनिश्चित करके कार्यान्वयन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए कौशल-आधारित विकास इकाई और ब्लॉक प्रमुख विकास टीमों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। सत्र के दौरान एडीडीसी सुरिंदर मोहन शर्मा ने मिशन युवा के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निर्बाध और कुशल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक हितधारक को अपनी भूमिकाओं की गहन समझ रखने के महत्व को रेखांकित किया। स्पष्टता और जवाबदेही बढ़ाने के मिशन में शामिल प्रत्येक हितधारक की विशिष्ट जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा युवा दूतों का चयन था, जो जमीनी स्तर पर पहुंच और मिशन युवा के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह निर्णय लिया गया कि चयन प्रक्रिया पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए युवा दूत दस्तावेज में उल्लिखित दिशानिर्देशों का पालन करेगी। इसके अलावा युवा दूतों को पंचायतों के आवंटन के लिए एक संरचित तंत्र पर भी चर्चा हुई, जिससे मिशन के तहत विभिन्न पहलों को सुचारू रूप से शुरू करने में मदद मिलेगी।

किश्तवाड़ के दादपेठ में आवारा कुत्तों ने मचाया आतंक

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। किश्तवाड़ के दादपेठ और उसके आस-पास के इलाकों के निवासियों ने इलाके में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे पर गहरी चिंता जताई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में करीब एक दर्जन आवारा कुत्ते खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे निवासियों, खास तौर पर पशुपालकों और स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस सर्दी में आवारा कुत्तों ने कई पशुओं को मार डाला है और कल रात ही उनकी दो भेड़ें भी इनके हमले का शिकार हो गईं। उन्होंने आगे कहा कि सर्दियों की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलने वाले हैं, इसलिए माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे हैं, क्योंकि कुत्ते पूरे दिन और रात इलाके में घूमते रहते हैं। लोगों ने किश्तवाड़ के जिला प्रशासन से अपील की है कि वे इन आवारा कुत्तों को दूरदराज के क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के लिए त्वरित और प्रभावी उपाय करें, जिससे छात्रों और पशुओं दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

शांत मनु के साथ नैतिक शिक्षा पर संवादात्मक सत्र का किया आयोजन

जम्मू, 27 फरवरी (हि.स.)। समाज की नैतिक चेतना को जागृत करने के लिए समर्पित ग्लोबल पीस संगठन ने गुरूवार को जम्मू राइटर्स क्लब के के.एल. सहगल ऑडिटोरियम में वित्त आयुक्त (अतिरिक्त मुख्य सचिव) शांत मनु (आईएएस) के साथ संवादात्मक स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त नौकरशाह, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, नागरिक समाज के सदस्य, बार, व्यवसाय, डॉक्टर और विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सत्र में नैतिक शिक्षा के लिए रोडमैप विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। ग्लोबल पीस संगठन के अध्यक्ष एडवोकेट शेख अल्ताफ हुसैन ने वर्तमान संदर्भ में नैतिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों लक्ष्यों का प्रस्ताव रखा। मुख्य अतिथि ने पहल की सराहना की, पहले से लागू सरकारी उपायों को रेखांकित किया और संगठन के सुझावों का स्वागत किया, उन्हें प्रासंगिक नीतियों में शामिल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान जीवन के स्वर्णिम सिद्धांतों का भी अनावरण किया। ग्लोबल पीस संगठन के संयोजक गौहर हाफिज फानी ने कार्यवाही का संचालन किया जबकि अधिवक्ता अल्ताफ हुसैन जंजुआ ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। बाद में मुख्य अतिथि को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया जिसमें नई शिक्षा नीति के अनुरूप स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा नीति शुरू करने, स्कूल और उच्च शिक्षा विभागों में नैतिक शिक्षा प्रकोष्ठों की स्थापना करने, नैतिक शिक्षा पर सेमिनार, संगोष्ठी, वाद-विवाद और भाषणों का आयोजन करने, स्कूल पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर नैतिक शिक्षा को एक अलग अनुशासन के रूप में स्थापित करने और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने और धार्मिक ग्रंथों के बीच समानताओं को उजागर करने के लिए विशेषज्ञों को शामिल करने जैसी सिफारिशें शामिल थीं।

सामाजिक कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में मोहम्मद अकरम की बेटी और पुंछ जिले के मेंढर की निवासी सामाजिक कार्यकर्ता कमर शरेज़ जम्मू के शेर-ए-कश्मीर भवन में आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में शामिल हो गईं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जेकेएनसी जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने उनका पार्टी में स्वागत किया। रतन लाल गुप्ता ने कमर शरेज़ का स्वागत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोहराया कि एनसी सरकार ने हमेशा ऐसी नीतियों का समर्थन किया है जो महिलाओं के उत्थान के लिए काम करती हैं। शासन, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक प्रगति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करती हैं।

गुप्ता ने मदर-ए-मेहरबान (बेगम अकबर जहान अब्दुल्ला) के योगदान को याद किया जिन्होंने शेख अब्दुल्ला की नजरबंदी के दौरान प्रगतिशील जम्मू-कश्मीर के लिए पार्टी के मिशन की कमान संभाली थी। प्रांतीय अध्यक्ष ने एनसी द्वारा शुरू की गई ऐतिहासिक पहलों की ओर भी इशारा किया जैसे कि मेडिकल कॉलेज की 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना, मेडिकल क्षेत्र में उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना। उन्होंने प्रगतिशील नीतियों में हाल की असफलताओं पर दुख जताया और क्षेत्र की विशेष स्थिति और पहचान को कमजोर करने वाले प्रयासों की आलोचना की।

एनसी में शामिल होने पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कमर ने पुष्टि की कि पार्टी के पास महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण की वकालत करने का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के दूरदर्शी नेतृत्व में काम करने का संकल्प लिया।

सड़क सुरक्षा रैली और आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया

कठुआ 27 फरवरी (हि.स.)। महिला डिग्री कॉलेज कठुआ में जारी एनएसएस विशेष शीतकालीन शिविर के छठे दिन स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली के साथ-साथ आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। रैली का उद्देश्य सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार आवागमन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था।

रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर स्टेडियम, पुलिस लाइन रोड होते हुए वापस कॉलेज में समाप्त हुई। रैली के बाद खेल विभाग के सहयोग से एनएसएस इकाई द्वारा एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। संजीव जम्वाल (पीटीआई) ने सत्र का नेतृत्व किया और स्वयंसेवकों को उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक आत्मरक्षा तकनीकों से सुसज्जित किया। अपने सामुदायिक सेवा प्रयासों को जारी रखते हुए स्वयंसेवकों ने पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देते हुए, कॉलेज परिसर में फूलों के पौधे भी लगाए। पूरी गतिविधि प्रोफेसर सीमा जॉली प्रभारी प्राचार्य के संरक्षण में और डॉ. रितु कुमार शर्मा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी की देखरेख में आयोजित की गई।

लोगों के लिए आउटडोर ओपन-एयर जिम की स्थापना

जम्मू, 27 फरवरी (हि.स.)। भारतीय सेना के व्हाइट नाइट गनर्स ने नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर ऑपरेशन सद्भावना के तहत जम्मू के नगरोटा गांव के लोगों के लिए आउटडोर ओपन-एयर जिम की स्थापना की। आउटडोर जिम सभी आयु वर्ग के लोगों की शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाने का एक बेहतरीन मंच है। यह लोगों को अपने घर के नज़दीक शारीरिक व्यायाम करने में सहायता करेगा। खुली हवा में आउटडोर जिम प्रकृति की गोद में फिटनेस सेंटर के समान कसरत करने की अनुमति देता है। इस प्रकार के जिम सभी आयु वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। बच्चे अपने आस-पास चंचल गतिविधियों की योजना बनाते हैं और बुजुर्ग कुछ बहुत ज़रूरी शक्ति प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

शेर-ए-डुग्गर लाला हंसराज महाजन की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

आरएस पुरा, 27 फरवरी (हि.स.)। लायंस क्लब आरएस पुरा की तरफ से गुरुवार को कस्बे की वार्ड नंबर 1 में कार्यक्रम का आयोजन कर शेर-ए-डुग्गर लाला हंसराज महाजन को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

लायंस क्लब आरएस पुरा के प्रधान कुलदीप राज गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस श्रद्धांजलि समारोह के दौरान लायंस क्लब के सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े हुए लोगों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लेकर शेर-ए-डुग्गर लाला हंसराज महाजन की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया तथा उन्हें एक महान समाज सुधारक करार दिया।

इस अवसर पर लायंस क्लब आरएस पुरा के प्रधान कुलदीप राज गुप्ता ने कहा कि जम्मू कश्मीर के समाज सुधारकों का जब नाम आता है तो सबसे पहले शेर-ए-डुग्गर लाला हंसराज महाजन का नाम आता है क्योंकि उन्होंने हमेशा ही समाज में फैली हुई कुरीतियां दूर करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने लाला जी को एक समाज सुधारक करार देते हुए कहा कि उन्होंने बाल विवाह रोकने, विधवाओं की दोबारा शादी करवाने तथा शादी समारोह में मेहमानों की संख्या सीमित करने जैसे सुधार के कई कदम उठाए।

उन्होंने समाज के हर वर्ग को एकजुट करने का काम किया और समाज को एकजुट करते हुए उन्होंने डोगरा सदर सभा, महाजन सभा तथा राजपूत सभा जैसी संस्थाओं की नींव भी रखी। उन्होंने इस मौके पर मांग करते हुए कहा कि बच्चों को पढ़ाई जाने वाली पाठ्य सामग्री में शेर-ए-डुग्गर लाला हंसराज महाजन की जीवनी के बारे में बच्चों को जानकारी दी जानी चाहिए तथा जम्मू कश्मीर के उच्च सरकारी भवनों का नाम भी लाल जी के नाम पर रखा जाना चाहिए तथा उनकी जम्मू शहर के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में प्रतिमा स्थापित होनी चाहिए ताकि लोग उनसे प्रेरणा ले सकें और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सके

गुप्ता ने कहा कि लायंस क्लब की तरफ से हर वर्ष कार्यक्रम का आयोजन कर शेर-ए-डुग्गर लाला हंसराज महाजन को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

जम्मू के प्रसिद्ध गायक गुलशन जोगी का 'भजन मेला कुंभ दा लगेगा एह' को किया गया रिलीज

आरएस पुरा, 27 फरवरी (हि.स.)। जम्मू के प्रसिद्ध गायक गुलशन जोगी की तरफ से गाए गए भजन मेला कुंभ दा लगेगा एह को रिलीज किया गया। श्री हनुमान धाम हनुमान नगर बडैयाल काजिया में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान स्वामी नरेंद्र दास जी महाराज मुख्य तौर पर उपस्थित रहे जिन्होंने इस धार्मिक भजन के पोस्टर के साथ-साथ इस भजन को भी रिलीज किया और जम्मू के प्रसिद्ध गायक गुलशन जोगी को अपनी तरफ से शुभकामनाएं दी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह प्रसिद्ध गायक गुलशन जोगी के इस भजन को सुनें और गुलशन कुमार योगी के नाम से यूट्यूब चैनल को भी सब्सक्राइब करें। स्वामी नरेंद्र दास जी महाराज ने कहा कि गुलशन जोगी की तरफ से पहले भी धार्मिक भजनों को जारी किया जा चुका है और आज एक बार फिर से कुंभ मेले को लेकर उन्होंने एक प्रसिद्ध भजन को गाकर सभी का मन मोह लिया हैं। स्वामी जी ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि भजन श्रद्धालुओं को काफी पसंद आएगा। वहीं इस मौके पर प्रसिद्ध गायक गुलशन कुमार जोगी ने बताया कि भजन मेला कुंभ दा लगेगा एह को विक्की कुमार की तरफ से लिखा गया है जबकि उन्होंने इस भजन को गाया हैं। उन्होंने कहा कि आज से भजन यूट्यूब चैनल गुलशन कुमार जोगी पर चलेगा और उन्हें पूरी उम्मीद है कि भजन श्रद्धालुओं को काफी पसंद आएगा क्योंकि 144 साल बाद लगे कुंभ मेले पर भजन गाया गया है। इस मौके पर उनके साथ क्षेत्र के अन्य लोग भी मौजूद रहे।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में अधूरी विरासत परियोजनाएँ

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रशासन के सुचारू रूप से काम करने के बारे में केंद्र शासित प्रदेश में बनाए गए और व्यापक रूप से प्रचारित किए गए कथानक के विपरीत, जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में वास्तुकला और विरासत के पुनरुद्धार, जीर्णोद्धार, संरक्षण और रखरखाव योजना के तहत कई परियोजनाओं को पूरा करने में बेवजह देरी के बारे में हाल ही में आई रिपोर्टों ने महत्वपूर्ण चिंताएँ पैदा की हैं। यह खुलासा कुशल शासन और सावधानीपूर्वक परियोजना निष्पादन के बड़े-बड़े दावों के पीछे की कठोर सच्चाई को उजागर करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में 18 ऐसी परियोजनाएँ शुरू की गईं, जिनके पूरा होने की अपेक्षित समय-सीमा मार्च 2025 निर्धारित की गई थी। हालाँकि, अब तक, इनमें से केवल सात परियोजनाएँ ही पूरी हो पाई हैं, जबकि शेष 11 अधर में लटकी हुई हैं, जो निष्पादन में स्पष्ट अक्षमता को दर्शाती हैं। यह निराशाजनक प्रदर्शन पिछले प्रशासन द्वारा अक्सर बताए गए असाधारण उत्साह और दक्षता के बयानबाजी के विपरीत है, जो इन परियोजनाओं की देखरेख के लिए जिम्मेदार लोगों की योग्यता पर गंभीर सवाल उठाता है।

इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि क्रियान्वयन की पूरी अवधि के दौरान, यूटी का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों ने बार-बार आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर में विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। इन दावों के बावजूद, यह तथ्य कि इन परियोजनाओं में गंभीर रूप से देरी हुई है, न केवल अक्षमता बल्कि प्रतिबद्धता और तत्परता की कमी को भी स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इन विरासत और धार्मिक बहाली परियोजनाओं को पूरा करने में विफलता जम्मू-कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रति एक चिंताजनक उदासीन रवैये को दर्शाती है।

हालांकि, अब एक बार फिर से तत्परता की भावना दिखाई दे रही है, क्योंकि वर्तमान सरकार ने कथित तौर पर मामले को गंभीरता से लिया है और बहाली के प्रयासों में तेजी लाने के निर्देश जारी किए हैं। आशा है कि इस नए प्रयास से जमीनी स्तर पर ठोस प्रगति होगी और यह सुनिश्चित होगा कि अधूरी परियोजनाएं आखिरकार पूरी हो जाएं।

इस योजना को मूल रूप से जुलाई 2021 में प्रशासनिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया था, जिसमें वर्षों की उपेक्षा के कारण कई ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की बिगड़ती स्थिति को स्वीकार किया गया था। इसका उद्देश्य इन स्मारकों और विरासत संरचनाओं को पुनर्स्थापित करना था, न केवल उनके ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करना बल्कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना भी था - जो केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख आर्थिक स्तंभों में से एक है। फिर भी, 31 मार्च, 2025 की समय सीमा के बावजूद, काम की धीमी गति इस बात पर संदेह पैदा करती है कि क्या सभी परियोजनाएँ निर्धारित समय के भीतर पूरी हो जाएँगी।

अब वर्तमान सरकार पर पिछली अक्षमताओं को सुधारने और यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी है कि ये परियोजनाएँ बिना किसी देरी के पूरी हों। काम पूरा करने से परे, उन अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करना भी ज़रूरी है, जिनके कारण सबसे पहले यह गतिरोध हुआ। पर्याप्त धन, जनशक्ति और मशीनरी की उपलब्धता के बावजूद, संबंधित अधिकारी समय पर काम पूरा करने में विफल क्यों रहे?

जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में ऐसी चूक को रोकने के लिए, इन देरी के पीछे के कारणों की गहन जाँच का आदेश दिया जाना चाहिए। लापरवाही के दोषी पाए जाने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, ताकि एक मिसाल कायम हो कि शासन में अक्षमता और ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केवल ऐसे उपायों के माध्यम से ही विश्वास बहाल किया जा सकता है और एक अच्छी तरह से संरक्षित और समृद्ध जम्मू और कश्मीर की कल्पना को साकार किया जा सकता है।

बायोलोजिकल क्लॉक के संकेत से नियमित कर सकते हैं शारीरिक गतिविधियां

यदि हम परंपरागत दिनचर्या देखें तो बॉडी क्लॉक के बारे में पूरी तरह से समझा जा सकता है। हमारी परंपरागत अधिकांश गतिविधियां बॉडी क्लॉक के अनुसार होती है। सूर्योदय से पहले उठने से लेकर रात को सोने तक की सभी गतिविधियां बॉडी क्लॉक के अनुसार निर्धारित है। माना जाता है कि शरीर का सबसे कम तापमान प्रातः 4 से 4.30 के लगभग रहता है। इसी तरह से प्रातः वर्कआउट के स्थान पर योग पर जोर रहता था। सुबह के पूजा-पाठ में योग का अपना महत्व रहता था। प्राणायाम, ध्यान, मुद्राओं का प्रदर्शन आदि योग के ही हैं और सुबह के समय इसको प्राथमिकता दी जाती रही है। सुबह के समय कार्टिसोल का अधिक स्राव व अन्य कारणों से हार्ट अटैक की अधिक आशंका रहती है।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बदलती जीवनशैली और आधुनिकता की दौड़ में हम बायोलोजिकल क्लॉक के संकेतों को समझना ही भूल गए हैं। बायोलोजिकल क्लॉक यानी सर्केडियन रिदम को समझना इतना मुश्किल भी नहीं है अपितु यह कहा जाए कि बायोलोजिकल क्लॉक के संकेतों से हम वाकिफ होने के बावजूद उन्हें महत्व नहीं देते और इसी का कारण है कि हम तेजी से मोटापा, डायबिटीज, लिवर, डिप्रेशन, अनिद्रा और यहां तक कि आसानी से मानसिक बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। यह आम आदमी के लिए भले हैरत की बात हो पर जिस तरह हमारी दिनचर्या घड़ी के हिसाब से चलती है, उसी तरह से हमारे शरीर में प्रकृति द्वारा पहले से ही घड़ी बनाई होती है। बॉडी क्लॉक या सर्केडियन रिदम के संकेतों को हम समझने लगें तो स्वास्थ्य से संबंधित बहुत-सी समस्याओं से आसानी से समय रहते बच सकते हैं। प्रकृति बॉडी क्लॉक के माध्यम से हमें पल-पल संकेत देती रहती है। सोते-जागते उसके संकेत हमें मिलने के बावजूद हम उन्हें जाने-अनजाने समझने में भूल कर बैठते हैं।

जिस तरह हमारी दिनचर्या घड़ी के हिसाब से चलती है ठीक उसी तरह से हमारी दिनचर्या को जाने अनजाने में बॉडी लॉक नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका निभाती है। सोना-जागना, खाना-पीना, यहां तक कि शरीर का तापमान और शारीरिक गतिविधियों को बॉडी क्लॉक प्रभावित करती है। बायोलोजिकल क्लॉक यानी बॉडी क्लॉक हमारी मनोदशा को भी प्रभावित करती है। दरअसल हमारे शरीर को बायोलोजिकल आवश्यकताओं की जानकारी होती है। कब सोना है, कब जागना है, कब खाना है, कितना खाना है आदि के संकेत स्पष्ट रूप से हमारी बॉडी देती है। होता यह है कि हम उस ओर ध्यान नहीं देते और इसी कारण अनेक बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। बायोलोजिकल क्लॉक के महत्व को इसी से समझा जा सकता है कि 2017 में अमेरिका के तीन वैज्ञानिकों को उनके बॉडी क्लॉक के अध्ययन और निष्कर्ष पर नोबल पुरस्कार मिल चुका है।

यदि हम परंपरागत दिनचर्या देखें तो बॉडी क्लॉक के बारे में पूरी तरह से समझा जा सकता है। हमारी परंपरागत अधिकांश गतिविधियां बॉडी क्लॉक के अनुसार होती है। सूर्योदय से पहले उठने से लेकर रात को सोने तक की सभी गतिविधियां बॉडी क्लॉक के अनुसार निर्धारित है। माना जाता है कि शरीर का सबसे कम तापमान प्रातः 4 से 4.30 के लगभग रहता है। इसी तरह से प्रातः वर्कआउट के स्थान पर योग पर जोर रहता था। सुबह के पूजा-पाठ में योग का अपना महत्व रहता था। प्राणायाम, ध्यान, मुद्राओं का प्रदर्शन आदि योग के ही हैं और सुबह के समय इसको प्राथमिकता दी जाती रही है। सुबह के समय कार्टिसोल का अधिक स्राव व अन्य कारणों से हार्ट अटैक की अधिक आशंका रहती है। इसी तरह बॉडी क्लॉक की मानें तो प्रातः 10 बजे के आसपास का समय सबसे अधिक एक्टिव होता है तो तीन बजे से पांच बजे के आसपास का समय विचार-विमर्श आदि के लिए उपयुक्त माना जाता रहा है। सायं 7 बजे के आसपास शरीर का तापमान अधिक होता है, ऐसे में शांत रहना चाहिए। शाम 6 से साढ़े 6 बजे ब्लडप्रेशर अधिक होता है, ऐसे में दिल के मरीजों को इस समय सतर्क रहना चाहिए। इसी तरह रात 9 बजे नींद का प्रभाव आरंभ हो जाता है। माना जाता है रात 2 बजे गहरी नींद का समय होता है। शाम 5 से साढ़े 5 बजे एक्सरसाइज के लिए उपयुक्त समय माना जाता है। समझने की कोशिश करें तो यह गोधूली बेला है। इस समय में कुछ आगे-पीछे हो सकता है पर यह साफ है कि बॉडी क्लॉक बड़े सिस्टेमेटिक तरीके से काम करते हुए संकेत देती है जिसे समझना और उसके अनुसार दिनचर्या को नियमित करने से बहुत-सी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से बचा जा सकता है।

हालांकि बॉडी क्लॉक की रिदम व्यक्ति में अलग-अलग हो सकती है। इसके साथ ही दिनचर्या के अनुसार उसमें बदलाव होता रहता है। हमारे सोने, जागने और खाने-पीने के समय आदि को बॉडी क्लॉक सर्वाधिक प्रभावित करती है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है तो नींद नहीं आना, डिप्रेशन, याददाश्त खोना, टेंशन, मानसिक समस्याएं, यहां तक आज की सबसे गंभीर बीमारी टाइप 2 डायबिटीज और मोटापा, दिल की बीमारी और कैंसर तक को बॉडी क्लॉक के इशारों को नहीं समझने को माना जाता है। जिनकी दिनचर्या नियमित नहीं होती है उन्हें ही इन समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। शिफ्ट में काम करने वाले, किसी भी कारण से समय पर खाने-पीने या सोने-जागने आदि की चर्या नियमित नहीं होती, उन्हें यह बीमारियां अधिक प्रभावित करती है।

पिछले दिनों साइंस पत्रिका में एक रिसर्च पेपर प्रकाशित हुआ है। पेनसिल्वानिया के वैज्ञानिकों के इस अध्ययन के अनुसार शिफ्ट में काम करने वाले या सफर में रहने वालों की दिनचर्या के प्रभावित होने के परिणाम हमारे सामने होते हैं। इसी तरह से नींद पूरी और समय पर नहीं लेने से मानसिक बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं। मोटापा, मधुमेह, अनिद्रा और इससे जुड़ी बीमारियों से प्रभावित हो जाते हैं। बॉडी क्लॉक के अनुसार मस्तिष्क या शरीर से मिलने वाले संकेतों पर ध्यान नहीं देने के कारण बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं। संकेत को नहीं समझने के कारण ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल आदि बढ़ने जैसी समस्याएं होती हैं। सामान्यतः बॉडी क्लॉक 22 से 25 घंटे का होता है। यह लोगों में अलग-अलग अवधि का हो सकता है। पर खास बात यह है कि यह पूरी दिनचर्या को नियंत्रित करने के संकेत देता है। समय पर नहीं सोना या भूख लगने पर भी नहीं खाना या गतिविधियों को नियमित नहीं करने से समस्याएं होने लगती है। जिस तरह बुखार होते ही बीमारी का संकेत मिल जाता है, उसी तरह सर्केडियन रिदम अपने संकेत देती रहती है। शरीर की मांग यह दर्शा देती है, ऐसे में उसी अनुसार बदलाव करने से सुधार संभव हो पाता है।

हमें बायोलोजिकल क्लॉक के संकेतों को समझना होगा। थोड़ा गंभीर होने पर हम हमारे शरीर की प्रकृति को भली प्रकार से समझ सकते हैं और उसके अनुसार जीवनचर्या को संचालित कर सकते हैं। यदि हम संकेतों को समझने में सफल हो जाते हैं और उनके अनुसार अपनी जीवनशैली में बदलाव लाते हैं तो कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महाकुंभ का समापन: श्रद्धालुओं की विशाल संख्या ने दुष्प्रचार को बेमानी साबित किया

महाकुंभ के दौरान देश में चंद लोगों की ऐसी जमात भी खड़ी हो गई जिन्हें महाकुंभ में सबकुछ गलत होता हुआ ही नजर आ रहा था। इस जमात को महाकुंभ की व्यवस्था में काफी खामियां नजर आई और उनकी नजर में हर तरफ गंदगी व अव्यवस्था का आलम था।

यहां तक कि गंगाजल की पवित्रता पर भी संदेह व्यक्त किया जाने लगा। नदी में जल की जगह मल-मूत्र वाला नालों का जहरीला पानी नजर आने लगा। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये इस जमात ने जैसे कुंभ के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया।

-दीपक कुमार त्यागी

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 26 फरवरी के सूर्यास्त के साथ महाकुंभ का समापन हो चुका है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिन चले इस महाकुंभ में 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी घाटों पर डुबकी लगाने वालों की यह संख्या कई देशों की मिलीजुली कुल आबादी से भी ज्यादा है। दुनिया में सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं से अधिक है। महाकुंभ ने देश-दुनिया में विश्व के सबसे प्राचीन सनातन धर्म की महान संस्कृति व अद्भुत परंपरा की दिव्यता का डंका बजाने का कार्य बखूबी किया।

मोदी व योगी सरकार के प्रयासों से इस बार प्रयागराज में संगम की पावन धारा में 66 करोड़ लोगों ने डुबकी लगा कर तन-मन की शुद्धि और आत्मा की तृप्ति वाला अलौकिक अनुभव प्राप्त किया।

इस बार महाकुंभ में 75 देशों के डेलीगेट्स के अतिरिक्त देश-दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों के सेलिब्रिटी व उद्योगपति भी शामिल हुए, जो सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के मद्देनजर बहुत अच्छा व सकारात्मक संकेत है।

देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के प्रयासों व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रचार-प्रसार एवं लगातार प्रयासों के चलते महाकुंभ 2025 के शुरू होने से पहले ही लगभग 40-45 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगाया जाने लगा था।

हालांकि समापन महाशिवरात्रि तक संगम तट पर 66 करोड़ से ज्यादा लोगों की भारी भरकम भीड़ उमड़ पड़ी, जिसने दुनिया को दिखा दिया कि अलग-अलग हिस्सों में बसे सनातन धर्मी एकजुट, कानून एवं अनुशासन पसंद हैं। तभी तो हजारों किलोमीटर की दूरी से आकर लंबी पैदल यात्रा के बाद भी अनुशासित ढंग से डुबकी लगाकर सनातन धर्म, संस्कृति, परंपराओं व ईश्वर भक्ति के अटूट विश्वास को बयां करने का कार्य किया। सनातन धर्म व संस्कृति पर सवाल उठाने वालों को भी शांतिपूर्ण ढंग से जवाब दिया है।

महाकुंभ के दौरान देश में चंद लोगों की ऐसी जमात भी खड़ी हो गई जिन्हें महाकुंभ में सबकुछ गलत होता हुआ ही नजर आ रहा था। इस जमात को महाकुंभ की व्यवस्था में काफी खामियां नजर आई और उनकी नजर में हर तरफ गंदगी व अव्यवस्था का आलम था। यहां तक कि गंगाजल की पवित्रता पर भी संदेह व्यक्त किया जाने लगा। नदी में जल की जगह मल-मूत्र वाला नालों का जहरीला पानी नजर आने लगा। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये इस जमात ने जैसे कुंभ के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया।

लेकिन 144 वर्ष बाद लगे इस महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं ने तमाम दुष्प्रचारों को अनसुना करते हुए अपनी आस्था की राह पर चल कर प्रयागराज पहुंचे और त्रिवेणी की धारा में उतर कर अपने धार्मिक विश्वास को जैसे सार्थक कर दिखाया। इतनी विशाल संख्या में पहुंच कर श्रद्धालुओं ने कीर्तिमान रच दिया। महाकुंभ नगरी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महाकुंभ की तमाम व्यवस्था चाक-चौबंद नजर आई।

लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रयासों के चलते इस अलौकिक धार्मिक आयोजन को हमेशा याद रखा जाएगा।

योगी सरकार ने जिस तरह महाकुंभ में आये लगभग 66 करोड़ से ज्यादा लोगों की सुख-सुविधा के लिए इंतजाम किये, वह प्रशंसनीय हैं। इसके बावजूद वोटबैंक की ओछी राजनीति के चलते महाकुंभ 2025 के शुरू होने से पहले योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश सरकार को कुछ लोगों ने निशाने पर लेना शुरू कर दिया था।

विपक्षियों को महाकुंभ में पहले दिन से गंदगी के अंबार, अव्यवस्थाओं की भरमार, गंदा जल, कड़ाके की ठंड में स्नान व भूख व प्यास से मरते लोग, तीन-तीन सौ किमी तक लंबा जाम नजर आ रहा था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी भी आलोचना की परवाह नहीं की। वे महाकुंभ 2025 की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर उसे सफल बनाने में लगे रहे। इस व्यवस्था को बनाने में केंद्र की मोदी सरकार व योगी सरकार ने 7500 करोड़ रुपए खर्च किये। जिसके फलस्वरूप लगभग 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने महाकुंभ पहुंच कर स्नान करके दुनिया के सबसे बड़े आयोजन का खिताब हासिल कर इतिहास रचने कार्य किया। वैसे देखा जाए तो महाकुंभ के इस आयोजन का धार्मिक आस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था से भी बहुत गहरा संबंध है। इस आयोजन के दौरान प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, विंध्याचल, चित्रकूट, मथुरा-वृन्दावन, लखनऊ, आगरा, दिल्ली आदि में श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भारी भीड़ का तांता लगा रहा है, जिससे इस क्षेत्र का व्यापार जमकर फला-फूला है, जिससे उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त मजबूती मिली।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआइटी) के अनुमान के अनुसार, महाकुंभ में 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की उम्मीद है। वहीं, सीटीआई के अनुमान के अनुसार महाकुंभ में 3.5 लाख करोड़ रुपए का व्यापार का अनुमान है, जिससे उत्तर प्रदेश व केंद्र सरकार दोनों को भारी लाभ होगा। देश व दुनिया के लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते महाकुंभ 2025 आस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संगम बन गया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मानव जीवन में विज्ञान की बढ़ती भूमिका

- योगेश कुमार गोयल

मानव जीवन को विज्ञान ने काफी आसान और सुविधाजनक बना दिया है। विज्ञान के प्रति युवाओं की कितनी रुचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रुचि जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है।

दरअसल, इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सीवी रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक की स्मृति में मनाया जाता है। सर सीवी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सीवी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी। उनके लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' की खोज के लिए उन्हें अनेक दूसरे पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि 'मेरे जैसे न जाने कितने रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना।' राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं।

विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को निरंतर बेहतर बनाया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं। असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मार्शल आर्ट के तीन युवा खिलाड़ियों को मिला ब्लैक बेल्ट

एजेंसी

वाराणसी। सारनाथ दानियालपुर स्थित विश्वकर्मा मार्शल आर्ट में प्रशिक्षण लेने वाले तीन युवा खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट मिला है। तीनों खिलाड़ियों साहिल मौर्या, सिद्धार्थ मौर्या व आशीष कुमार ने निरंतर अभ्यास और गुरुओं से प्रशिक्षण लेने के बाद ब्लैक बेल्ट की परीक्षा में भाग लिया। लगभग 5 घंटे तक चली परीक्षा में तीनों ने परीक्षा उतीर्ण कर ब्लैक बेल्ट खिताब अपने नाम कर लिया।

वश्वकर्मा मार्शल आर्ट परिसर में तीनों खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को संस्था के अध्यक्ष रमाशंकर विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गोविंद विश्वकर्मा ने बधाई देकर सम्मानित किया। तीनों खिलाड़ियों को वर्ल्ड इंटरनेशनल कॉम्बैट मार्शल आर्ट्स के संस्थापक वर्ल्ड ग्रैंड मास्टर जगदीश सिंह खत्री ने खिताब दिया। ब्लैक बेल्ट पाने वाले युवाओं को धीरज यादव ने प्रोत्साहन स्वरूप नॉन चाकू और माउथ गार्ड प्रदान किया। इस दौरान एकेडमी के सभी सीनियर और जूनियर खिलाड़ी, धर्मेंद्र यादव, पत्रकार विवेक विश्वकर्मा आदि भी मौजूद रहे।

लिवरपूल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को हराकर खिताब की ओर बढ़ाया एक और मजबूत कदम

लंदन। लिवरपूल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग खिताब की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इस जीत के साथ लिवरपूल ने तालिका में 13 अंकों की बढ़त बना ली, क्योंकि आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला। लिवरपूल के लिए डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई ने 11वें मिनट में एक विक्षेपित शॉट के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल, जो चोटिल अलेक्जेंडर इसाक के बिना खेल रही थी, आक्रमण में संघर्ष करता दिखा। 63वें मिनट में मोहम्मद सलाह के साथ पास का आदान-प्रदान करने के बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने दूसरा गोल कर लिवरपूल की जीत सुनिश्चित कर दी।

नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से आर्सेनल को दो और अंक गंवाने पड़े। कोच मिकेल अर्टेटा को इस बात की चिंता होगी कि उनकी टीम लगातार दूसरे मैच में स्कोर करने में विफल रही। आर्सेनल ने 13 शॉट लिए, लेकिन केवल एक ही लक्ष्य पर था। फिट-एरलिंग हालैंड के एकमात्र गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने टोटेनहम को 1-0 से हराकर शीर्ष चार में वापसी की। मुकाबला कड़ा था, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए और गंवाए।

सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया एएफसी अंडर-20 एशियाई कप फाइनल में

शेनझेन। सऊदी अरब ने पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के फाइनल में जगह बना ली। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में जापान को 2-0 से मात दी। सऊदी अरब और दक्षिण कोरिया के बीच मुकाबला निर्धारित 120 मिनट तक गोलरहित बराबरी पर रहा। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में सऊदी अरब के गोलकीपर हामेद यूसुफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पेनल्टी बचाईं और अपनी टीम की जीत के हीरो बने। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने जापान को 2-0 से हराया। मैच में मूसा टोरे ने 49वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि जयलन पियरमैन ने 67वें मिनट में दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। अब फाइनल मुकाबले में सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने-सामने होंगी।

फखर जमान ने संन्यास की अफवाहों को किया खारिज, कहा- जल्द करेंगे वापसी

कराची। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चोट से उबरने के बाद जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। फखर जमान, जिन्होंने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शतक लगाकर पाकिस्तान को ऐतिहासिक खिताबी जीत दिलाई थी, न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में खेले गए पहले मैच में चोटिल हो गए थे। मैच के पहले ही ओवर में एक गेंद का पीछा करते हुए उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए, हालांकि बाद में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरे और 41 गेंदों में 24 रन बनाए। चोट के कारण वह अपनी लय में नहीं दिखे और पाकिस्तान को 60 रन से हार का सामना करना पड़ा।इसके बाद ऐसी अटकलें लगने लगीं कि अप्रैल में 35 साल के होने जा रहे फखर का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि, उन्होंने खुद इन अफवाहों को नकारते हुए कहा कि वह अब भी पाकिस्तान के लिए खेलना चाहते हैं। पीसीबी डिजिटल से बात करते हुए फखर ने कहा, मैंने रिटायरमेंट की खबरों के बारे में सुना है।

पैट कमिंस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिये तैयार

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस को उम्मीद है कि आगामी आईपीएल सीज़न और जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए वह तैयार हो सकेंगे।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान टखने की चोट के कारण कमिंस चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से चूक गए थे। हालांकि अगले कुछ महीनों के दौरान व्यस्त सीज़न में वह अपनी फिटनेस को लेकर आशावादी हैं। कमिंस ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया, ÷टखना पूरी तरह से मजबूत हो रहा है, इसे अच्छा आराम दे पा रहा हूं और फिर धीरे-धीरे मजबूत हो रहा हूं, जो आपको बहुत अधिक क्रिकेट खेलने पर नहीं मिलता है। यह कुछ समय के लिए उतना ही मजबूत महसूस हो रहा है। आईपीएल के लिए ठीक होना चाहिए, यही योजना है। दाएं हाथ के तेज

गेंदबाज ने बताया कि उनके टखने को समय के साथ सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता थी और मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान यह एक बड़ा मुद्दा बन गया। कमिंस ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिस पर हमने कभी भी सर्जरी नहीं करने का विकल्प चुना है, बस पुनर्वास के लिए बहुत कुछ करना होगा। इस ब्रेक का मतलब है कि मैं कुछ कॉर्टिसोन प्राप्त कर सकता हूं और वास्तव में पिछले कुछ हफ्तों में इसका अच्छी तरह से पुनर्वास कर सकता हूं।

भविष्य को देखते हुए, कमिंस को उम्मीद है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में पूर्ण भूमिका निभाने से पहले आईपीएल के दौरान उनका कार्यभार लगातार बढ़ेगा।

उन्होंने व्यस्त कार्यक्रम में रणनीतिक आराम के महत्व को स्वीकार किया। उन्होने कहा, कभी-कभी अजीब दौरे को मिस करने से आप वास्तव में पूरे साल अधिक क्रिकेट खेलते हैं।

मुझे लगता है कि पहले आप सब कुछ खेलते थे, जबकि अब, बिल्कुल, आप कोशिश करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ी साल भर में जब तक संभव हो अपने चरम पर रहें और हर साल अधिक से अधिक महत्वपूर्ण चीजें खेलें। यह दुनिया का तरीका है। हर कोई इसका आदी है।

जोस बटलर की कप्तानी पर संकट: इंग्लैंड की चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद उठे सवाल

एजेंसी

लाहौर। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर की नेतृत्व भूमिका पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद, जिससे इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया, उनकी कप्तानी पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में इंग्लैंड के पास मौके थे, लेकिन वे उनका लाभ उठाने में असफल रहे। इससे पहले ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 351 रन बनाने के बावजूद रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने में असमर्थता ने भी उनकी स्थिति कमजोर कर दी थी।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बटलर ने स्वीकार किया कि उन्हें अपनी कप्तानी और भविष्य को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे हैं। मुझे इस पर विचार करना होगा कि मैं समस्या का हिस्सा हूं या समाधान का।

इंग्लैंड के संघर्ष और बटलर की फॉर्म पर सवाल

2019 वनडे और 2022 टी20 विश्व कप जीतने के बाद इंग्लैंड का प्रदर्शन गिरावट पर है। 2023 वनडे विश्व कप में टीम सातवें स्थान पर रही, जबकि 2024 टी20 विश्व कप में भारत से सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। हाल ही में इंग्लैंड को भारत के खिलाफ टी20ई (4-1) और वनडे (3-0) सीरीज में हार मिली, जिससे टीम की फॉर्म को लेकर चिंता बढ़ गई। बटलर की व्यक्तिगत फॉर्म भी सवालों के घेरे में है। 2023 विश्व कप के बाद से उन्होंने आठ वनडे पारियों में 30.57 की औसत से मात्र 214 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 58 रहा। टी20 में भी उनका प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा है।

एम डी निधीष और ईडन ऐपल टॉम ने विदर्भ को रोका

एजेंसी

नागपुर। एम डी निधीष और ईडन ऐपल टॉम (तीन-तीन विकेट) और एनपी बासिल (दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत केरल ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन गुरुवार को एक बार फिर से मैच में वापसी करते हुए विदर्भ को पहली पारी में 379 के स्कोर पर रोक दिया। विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 254 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में 290 के स्कोर पर एनपी बासिल ने कल के शतकवीर दानिश मालेवार को बोल्ड कर केरल को बड़ी सफलता दिलाई। दानिश मालेवार ने 285 गेंदों में 15 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (158) रनों की पारी खेली। विदर्भ के स्कोर में पांच और रन जुड़ने के बाद ही बासिल ने यश ठाकुर (25) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये कप्तान अक्षय वड़कर भी पिच पर अधिक देर तक नहीं टिक सके। ईडन ऐपल टॉम ने

पहले यश राठौड़ (तीन) को आउट किया। अक्षय कारनेवार (12) और नचिकेत भूटे (32) रन बनाकर आउट हुये। अक्षय वड़कर (23) ईडन ऐपल टॉम ने आउट किया। केरल के गेंदबाजी आक्रमण के आगे विदर्भ की टीम ने आज 125 रन और जोड़कर अपने छह विकेट गवां दिये। विदर्भ ने 123.1 ओवर में 379 का स्कोर बनाया। केरल की ओर से एम डी निधीष और ईडन ऐपल टॉम ने तीन-तीन और एनपी बासिल ने दो विकेट विकेट लिये। जलज सक्सेना ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मार्क वुड की चोट की आशंका से इंग्लैंड की चिंता बढ़ी

एजेंसी

लाहौर। ब्रायडन कार्स के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद इंग्लैंड के मार्क वुड को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ अपने स्पेल के बीच में लंगड़ाते हुए देखा गया।

अफगानिस्तान के खिलाफ अपना चौथा ओवर फेंक रहे तेज गेंदबाज मार्क वुड को लाहौर में ओवर के बीच में लंगड़ाते देखा गया। कुछ ही समय बाद इंग्लैंड के फिजियो ने वुड की देखभाल की और उन्हें तेज गेंदबाज के बाएं घुटने को फैलाने में मदद करते देखा गया। मैदान छोड़ने से पहले वुड ने अपना ओवर पूरा किया।

हालांकि तेज गेंदबाज अतिरिक्त चार ओवर फेंकने के लिए मैदान पर वापस लौटा, लेकिन वुड को बाद में पारी में फिर से असहजता में देखा

गया, इससे पहले कि वह 43वें ओवर के बाद ड्रेसिंग रूम में वापस लौट आए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगने के बाद इंग्लैंड ने ब्रायडन कार्स को पहले ही अपनी टीम से बाहर कर दिया है और उनकी जगह रेहान अहमद को टीम में शामिल किया गया है। अपने पूरे करियर में कई चोटों से जूझने वाले वुड 2024 में टखने की चोट के कारण लगभग एक साल के लिए बाहर हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में, वुड ने 1/75 के आंकड़े के साथ स्टीव स्मिथ का सबसे महत्वपूर्ण विकेट लिया था।

हेली-सिवर की हरफनमौला साझीदारी से यूपी चारो खाने चित, मुबंई जीता

एजेंसी

बेंगलुरु। हेली मैथ्यूज़ (59 रन और एक विकेट) और नैटली सिवर-ब्रंट (75 नाबाद और तीन विकेट) की हरफनमौला साझीदारी की बदौलत मुबंई इंडियंस ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एक मुकाबले में यूपी वारियर्स को आसानी से आठ विकेट से हरा दिया। ग्रेस हेरी (45) और दिनेश वृंदा (33) के बीच 79 रन की बेशकीमती साझीदारी की मदद से यूपी वारियर्स ने नौ विकेट पर 142 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में मुबंई इंडियंस ने विजय लक्ष्य 18 गेंद शेष रहते दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। मुबंई की जीत में सिवर की भूमिका सबसे अहम रही जिन्होने यूपी के तीन अहम विकेट मात्र 18 रन देकर हासिल किये और बाद में मात्र 44 गेंदो 75 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम की जीत आसान कर दी। दूसरे छोर पर मैथ्यूज ने उनका भरपूर

साथ दिया। मैथ्यूज ने सोफ़ी एकल्सटन की गेंद पर आउट होने से पहले मुबंई की जीत पक्की कर दी थी।

इससे पहले टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वारियर्स को पहला झटका किरण नवगिरे (1) के तौर पर पहला झटका पहले ही ओवर में लग गया था मगर हेरी और वृंदा ने बेखौफ बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये मुबंई की गेंदबाजी का सामना किया और नौ ओवरों में स्कोरबोर्ड पर 81 रन तान दिये। इस बीच हेरी ने अपना विकेट एमेलिया कर को दिया जबकि अगले ही ओवर में उनकी पार्टनर वृंदा को संस्कृति गुप्ता ने अपना शिकार बनाया। तालिया मैक्ग्रा भी इसी ओवर में संस्कृति का दूसरा शिकार बनी। लगातार तीन विकेट झटकने के बाद मुबंई ने अपनी स्ट्राइक बॉलर नैटली सिवर-ब्रंट के साथ हेली मैथ्यूज को मोर्चे पर लगाया। मैथ्यूज ने कप्तान दीप्ति शर्मा (4) का कीमती विकेट झटका।श्वेता सहरावत (13) और शिनेल हेनरी (7) सिवर का शिकार बनी। नियमित अंतराल में विकेट गिरने से यूपी स्लाग ओवरों में अपनी रन गति को तेज करने में विफल रही। उमा छेत्री 13 रन बना कर नाबाद लौटी।

मुबंई के लिये नैटली सिवर-ब्रंट तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बनी वहीं शबनिम इस्माइल और संस्कृति गुप्ता ने दो दो विकेट चटकाये। हेली मैथ्यूज और एमेलिया कर को एक एक विकेट मिला।

पंजाब एफसी सीजन के अपने अंतिम घरेलू मुकाबले में एफसी गोवा से भिड़ेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब एफसी अपने इस सीजन के अंतिम घरेलू मुकाबले में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज एफसी गोवा से भिड़ेगा। इंडियन सुपर लीग का यह मुकाबला गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग सीजन में केवल तीन मुकाबले शेष हैं। ऐसे में 24 अंकों के साथ 11वें स्थान पर मौजूद पंजाब एफसी जीत की लय बनाकर अपने सीजन का समापन करना चाहेगा। वहीं, 21 मैचों से 42 अंक जुटा चुकी एफसी गोवा तालिका के शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। पंजाब एफसी को अपने पिछले घरेलू मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि एफसी गोवा ने अपने अंतिम मैच में केरल ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया था। इस सीजन में दोनों टीमों के बीच पहले हुए मुकाबले में एफसी गोवा ने पंजाब एफसी को 2-1 से हराया था।

उस मैच में पंजाब एफसी के लिए अस्मिर सुल्जिक ने बढ़त दिलाई थी, लेकिन अरमांडू सादिकू और इकर गुआरोटक्सेना के गोलों ने गोवा को जीत दिलाई थी। मुकाबले से पहले पंजाब एफसी के हेड कोच पनागियोतिस डिल्बेरिस ने कहा, हम एक ऐसी टीम के खिलाफ खेलेंगे जो मेरे हिसाब से इस लीग की सबसे बेहतरीन टीम है। सभी जानते हैं कि वे किस तरह खेलते हैं। खासकर जब उनके कोच भारतीय राष्ट्रीय टीम के कोच भी हैं। मेरी जिम्मेदारी है कि मैं टीम को शेष मुकाबलों के लिए प्रेरित करूं और अपनी शैली में फुटबॉल खेलते रहें।

तेंदुलकर की पारी ने दिलायी इंडिया मास्टर्स को जीत

एजेंसी

नवी मुंबई। मास्टर ब्लास्टर्स सचिन तेंदुलकर (34) की तूफानी पारी की बदौलत इंडिया मास्टर्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 2025 में इंग्लैंड मास्टर्स पर नौ विकेट से शानदार जीत हासिल की।

डीवाई पाटिल स्टेडियम में सचिन ने सिर्फ 21 गेंदों पर 34 रनों की तूफानी पारी खेलकर वर्षों पुरानी बल्लेबाजी की याद ताजा कर दी। गुरकीरत सिंह मान के साथ पारी की शुरुआत करते हुए, आठवें ओवर में क्रिस स्कोफील्ड द्वारा आउट होने से पहले तेंदुलकर ने पांच चौके और एक छक्का लगाया। उनकी पारी का मुख्य आकर्षण पांचवें ओवर में आया, जब उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टिम ब्रेसनन को निशाने पर लिया। तेंदुलकर ने दूसरी गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्के के लिए भेजा और इसके बाद डीप मिडविकेट और डीप एक्स्ट्रा कवर पर लगातार चौके लगाए।इससे पहले, इंडिया मास्टर्स ने टॉस जीतकर पहले

गेंदबाजी करने का फैसला किया और इंग्लैंड मास्टर्स को निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 132 रनों के मामूली स्कोर पर रोक दिया। मेहमान टीम के लिए डेरेन मैडी ने सर्वाधिक 25 रन बनाए, जबकि धवल कुलकर्णी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे, जिन्होंने चार ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। जवाब में इंडिया मास्टर्स ने 11.4 ओवर में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। गुरकीरत पारी के स्टार रहे, उन्होंने 35 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाए, जबकि युवराज सिंह ने 14 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए। इंडिया मास्टर्स का अगला मुकाबला एक मार्च को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स से होगा, जबकि इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली इंग्लैंड मास्टर्स का मुकाबला 27 फरवरी को उसी स्थान पर वेस्टइंडीज मास्टर्स से होगा।

■ डीवाई पाटिल स्टेडियम में सचिन ने सिर्फ 21 गेंदों पर 34 रनों की तूफानी पारी खेलकर वर्षों पुरानी बल्लेबाजी की याद ताजा कर दी।

टीएसएच ब्लास्टर्स आर्यनगर के ब्रांड एंबेसडर प्रवीन कुमार ने खिलाड़ियों में भरा जोश

कानपुर। टीएसएच ब्लास्टर्स आर्यनगर के ब्रांड एंबेसडर और भारतीय क्रिकेट के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीन कुमार ने टीम के ट्रॉफी टूर के दौरान जोश और ऊर्जा से माहौल भर दिया। द स्पोर्ट्स हब, आर्यनगर में केपीएल 2025 की ट्राफी आर्यनगर पहुंची। वहां पर टीएसएच में आयोजित हुए भव्य समारोह में क्रिकेट प्रेमियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रवीन कुमार ने न केवल खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया बल्कि अपनी उपस्थिति से पूरे आयोजन को खास बना दिया। ट्रॉफी टूर के दौरान टीएसएच ब्लास्टर्स आर्यनगर की आधिकारिक एंथम, जर्सी, कैप और टीम के शुभंकर का भव्य अनावरण किया गया। टीम की नई जर्सी को खास डिज़ाइन और आकर्षक रंग संयोजन के साथ पेश किया गया।

मालेवार के शतक से विदर्भ मजबूत

एजेंसी

नागपुर। दानिश मालेवार (138 नाबाद) के शतकीय प्रहार की बदौलत विदर्भ ने यहां रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन केरल के खिलाफ पहली पारी में चार विकेट पर 254 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

विदर्भ एक समय 11 रन पर दो विकेट गंवा कर भारी संकट में थी, ऐसे मुश्किल समय में मालेवार ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी कर न सिर्फ टीम को संकट से उबारा बल्कि दिन के खेल की समाप्ति तक एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया। विदर्भ को मालेवार और करुण नायर के रूप में एक मजबूत साझेदारी मिली, जिन्होंने चौथे विकेट के लिए महत्वपूर्ण 215 रन जोड़े। दोनों ने ढीली गेंदों का फायदा उठाने से पहले धैर्य के साथ केरल के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला किया। नायर ने 86 रन का योगदान दिया। वह दुर्भाग्यशाली तरीके से रन आउट हो गये। इससे पहले, केरल ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने के

अपने फैसले को सही ठहराया। एमडी निधीश ने दो विकेट लिए। विदर्भ पहले घंटे में तीन विकेट पर 24 रन पर बना कर संघर्ष की स्थिति में था। जैसे-जैसे परिस्थितियाँ आसान हुईं और पिच बल्लेबाजी के लिये आसान होती गई। केरल के गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की, लेकिन आगे बढ़त बनाने में नाकाम रहे। केरल के लिये उत्साहजनक शुरुआत के बाद दिन का समापन निराशाजनक रहा।

जदरान की शतकीय पारी से अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को चैंपियंस ट्राफी से किया बाहर

एजेंसी

लाहौर। इब्राहिम ज़दरान (177) की रिकार्ड शतकीय पारी और अज़मतउल्लाह ओमरज़ाई (58 रन पर पांच विकेट) की बदौलत अफगानिस्तान ने एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को आठ रन से हरा कर चैंपियंस ट्राफी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुये निर्धारित 50 ओवर में 325 रन बनाये जिसके जवाब में इंग्लैंड की पारी 49.5 ओवर में 317 रन बना कर सिमट गयी। इंग्लैंड की अफगानिस्तान के खिलाफ यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले अफगान टीम ने 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड को 69 रन से हराया था। अफगानिस्तान की जीत के नायक इब्राहिम जादरान और अज़मतउल्लाह ओमरज़ाई बने। जादरान ने 177 रन की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा करने में अहम योगदान दिया। यह किसी भी अफगान खिलाड़ी का एक दिवसीय मैच में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर है। जादरान ने इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ 2022 में 166 रन की पारी खेली थी। यहां उन्होने उस रिकार्ड को भी ध्वस्त कर दिया।

जो रुट (120) ने इंग्लैंड को जीत की दहलीज तक पहुंचाने का भरसक प्रयास किया मगर 46वें ओवर में ओमरजाई ने उन्हे पवेलियन का रास्ता दिखा कर

इंग्लैंड की संभावनाओं को झटका दिया। आखिरी के ओवर में जेमी ओवर्टन (32) और जोफ़्रा आर्चर (14) ने अच्छे शाट खेलकर मैच में रोमांच वापस लाने की कोशिश की मगर अंततः वे अफगानिस्तान के खिलाफ एक और पराजय को टाल नहीं सके।

इंग्लैंड चैंपियंस ट्राफी में अपने दो मैच गंवा कर टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। ग्रुप बी में अब आस्ट्रेलिया,दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच शीर्ष दो में अपना स्थान बनाने की होड़ होगी। इससे पहले गद्दाफी स्टेडियम पर एक समय अफगानिस्तान तीन विकेट मात्र 37 रन पर गंवा कर मुश्किलों के भंवर में फंस गया था मगर जदरान ने कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (40) के साथ मिल कर 103 रन की भागीदारी कर टीम को संकट से उबारा जबकि बाद में अज़मतउल्लाह ओमरज़ाई (41) के साथ 72 रन और मोहम्मद नबी (40) ने 111 रन की भागीदारी कर इंग्लैंड को बैकफुट पर ला दिया। पारी के आखिरी ओवर में लियम लिविंगस्टन की गेंद पर आउट होने से पहले जदरान अपनी यादगार पारी में 12 चौके और छह छक्के लगा चुके थे। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर तीन विकेट चटका कर सबसे सफल गेंदबाज रहे वहीं लिविंगस्टन ने दो विकेट झटके।

पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को 20 फीसदी से अधिक करने पर विचार कर रहा है भारतः पुरी

गुवाहाटी/ नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने के अपने लक्ष्य को बढ़ाकर 20 फीसदी से अधिक करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए नीति आयोग के तहत एक समिति गठित की गई है।हरदीप सिंह पुरी ने गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि 19.6 फीसदी मिश्रण का लक्?य पहले ही हासिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 20 फीसदी से अधिक जैव ईंधन मिश्रण पर विचार किया जा रहा है।केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि हमने 2026 तक 20 फीसदी सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा था, लेकिन हम पहले ही 19.6 फीसदी हासिल कर चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले महीने 20 फीसदी का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में 1,700 करोड़ लीटर मिश्रण क्षमता है, जबकि पहले से ही 1,500 करोड़ लीटर का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न प्रकार के ईंधन आयात पर 150 अरब यूएस डॉलर खर्च कर रहा है और एक क्षेत्र जहां ध्यान नहीं दिया जा रहा है, वह है हरित हाइड्रोजन। पुरी ने कहा कि हर देश स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है लेकिन ऐसा अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और मांगों से निपटते हुए ही करना होगा।

माइक्रोमैक्स सौर पैनल निर्माण के लिए स्टार्टअप एनर्जी शुरू किया

नई दिल्ली। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखते हुए 'स्टार्टअप एनर्जी' उद्यम शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत कंपनी आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए सौर पैनल का निर्माण करेगी। माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स के प्रबंध निदेशक राजेश अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा को अधिक सुलभ, विश्वसनीय और किफायती बनाना है। उन्नत सौर पैनल निर्माण में निवेश करके हम भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता मिशन का समर्थन करना चाहते हैं और एक हरित एवं संधारणीय भविष्य में योगदान देना चाहते हैं। गुरुग्राम स्थित माइक्रोमैक्स ने पांच गीगावाट उन्नत सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए जिनचेन के साथ रणनीतिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना को कई चरणों में लागू किया जाएगा। कंपनी ने कहा, जिनचेन की उन्नत विनिर्माण विशेषज्ञता और माइक्रोमैक्स की तकनीकी नवाचार क्षमताओं के साथ, 'स्टार्टअप एनर्जी' भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत का सौर ऊर्जा क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। सरकार ने 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिससे स्थानीय रूप से निर्मित और उच्च गुणवत्ता वाले सौर पैनलों की मांग तेजी से बढ़ रही है। 'स्टार्टअप एनर्जी' का यह कदम भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने और आत्मनिर्भर भारत अभियान को सशक्त बनाने में सहायक होगा।

वेंडिंग प्लानरों की बढ़ रही है मांग

नयी दिल्ली । लोगों में स्थान विशेष पर जाकर शादी करने की बढ़त चाहत से देश में वेडिंग प्लान करने वालों और इससे जुड़ी गतिविधियों वाले क्षेत्रों में युवाओं की मांग में तेजी आ रही है। इनडीड ने नए आँकड़े जारी किए हैं, जिनमें सामने आया है कि ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में रिक्त पदों के लिए नौकरी के इच्छुकों की रुचि में पिछले शादी के मौसम (नवंबर 2024-जनवरी 2025) के मुकाबले चालू सीजन में 37 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। इस वृद्धि में शादियों की अहम भूमिका रही, जिससे रिज़ॉर्ट मैनेजर्स, होटल स्टाफ, ट्रैवल एजेंट्स, बैंक्वेट को-ऑर्डिनेटर्स, और डेकोरेटर्स की मांग को बल मिला। वेडिंग प्लानर्स की मांग सबसे ज्यादा बढ़ी, जिसके लिए क्लिक्स में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इनडीड इंडिया के हेड ऑफ सेल्स शशि कुमार ने कहा, ÷ वेडिंग उद्योग में नौकरियों के नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। दंपत्तियों के विवाह-बंधन में बंधने के साथ उद्योग में नियुक्तियाँ बढ़ रही हैं। वेडिंग उद्योग बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए इस उद्योग में कुशल प्रोफेशनल्स की मांग भी मजबूत बनी हुई है। ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी, खासकर शादियों के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की रुचि में तेजी आई है क्योंकि दंपत्ति अपने इस महत्वपूर्ण दिन को यादगार बनाने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद चाहते हैं। इसलिए इस सेक्टर में करियर के आकर्षक अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुकों के लिए वेडिंग उद्योग एक तेजी से विकसित होता हुआ डोमेन है। जश्नों का बढ़ता प्रचलन, सस्टेनेबल से लेकर व्यक्तिगत और बुटीक अनुभवों से विकसित होते हुए पदों के साथ नौकरी के एक गतिशील बाजार का निर्माण किया है। यह सेक्टर अनुभवी प्रोफेशनल्स से लेकर नए ग्रेजुएट्स तक, सभी को सफल करियर बनाने के अनेक अवसर पेश कर रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.39 प्रतिशत चढ़कर 69.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.31 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

दिल्ली एयरपोर्ट का टर्मिनल-2 अप्रैल से अस्थायी रूप से रहेगा बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का टर्मिनल-2 आगामी अप्रैल से 4-5 महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा। इस अवधि के दौरान 'अपग्रेडेशन' के लिए एक रनवे भी बंद रहेगा।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने एक बयान में कहा कि टर्मिनल 2 (टी2) अप्रैल से चार से पांच महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इस अवधि के दौरान अपग्रेडेशन के लिए एक रनवे भी बंद रहेगा। इस हवाई अड्डे में तीन टर्मिनल टी1, टी2 और टी3 हैं। डायल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदेह कुमार

जयपुरियार ने कहा कि टी-2 को अप्रैल में चार से पांच महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। उन?होंने कहा कि टर्मिनल-1 (टी-1) का काम 15 मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है, इसे अपेक्षित मंजूरी मिलने के बाद उड़ानों के लिए खोल दिया जाएगा। टी-2 के करीब 1.5 करोड़ यात्रियों को टी-1 पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण हवाई अड्डा संचालक टी-3 के उस हिस्से को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए खोला जाएगा, जहां से वर्तमान में घरेलू उड़ानों का परिचालन होता है। हवाई अड्डे पर सालाना करीब 10.9 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होती है। फिलहाल टी-1 पर सालाना करीब चार करोड़ और टी-2 पर 1.5 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होती है, जबकि अन्य यात्री टी-3 से आते-जाते हैं।

देश की अर्थव्यवस्था का 'खराब दौर' बीता, तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.2 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। जर्मनी की ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की दिशा में सबसे खराब दौर अब समाप्त हो गया है। डॉयचे बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.2 फीसदी रहने की उम्मीद है।डॉयचे बैंक ने जारी रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में जीडीपी की वृद्धि 5.4 फीसदी थी, जो पिछली सात तिमाहियों में सबसे कम थी।

इसके बाद 31 दिसंबर को समाप्?त तीसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 6.2 फीसदी रहने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हाल में जारी होने वाले आधिकारिक आर्थिक आकंड़ों से पहले हमें भविष्यवाणियों को लेकर सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि पिछले वित्त वर्षों के आंकड़ों में बदलाव हो सकता है। उल्लेखनीय है कि सरकार की ओर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही का जीडीपी का आंकड़ा 28 फरवरी को जारी किया जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 6.7 फीसदी रही, लेकिन आम चुनावों के कारण सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी तथा कमजोर उपभोग मांग की वजह से जुलाई-सितंबर तिमाही में यह धीमी होकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई थी।

देश की जीडीपी ग्रोथ दिसंबर तिमाही में 6.3 फीसदी संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े कल जारी होंगे। भारत की जीडीपी की ग्रोथ रेट अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकारात्मक बनी रहने की उम्मीद है। जानकारों का मामना है कि तीसरी तिमाही में यह लगभग 6.3-6.4 फीसदी के दायरे में रह सकती है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में लिए देश की जीडीपी के आंकड़े 28 फरवरी को शाम 4 बजे जारी किए जाने की संभावना है। आर्थिक मामलों के जानकारों ने उच्च सरकारी खर्च के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 6.3 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है।

वहीं, अधिकांश रेटिंग एजेंसियों ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.3-6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। अइंडिया रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए 6.5 फीसदी का उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान दिया है, जबकि नोमुरा का

सबसे कम 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है। इसके अलावा अन्य अनुमानों में बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को उम्मीद है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तीसरी तिमाही में क्रमशः 6.4 फीसदी और 6.2-6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने 6.4 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का पूर्वानुमान दिया है। उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 6.7 फीसदी रही थी, लेकिन आम चुनावों की वजह से सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी तथा कमजोर उपभोग मांग के कारण जुलाई-सितंबर दूसरी तिमाही में यह धीमी होकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई थी।

केंद्र बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र की पहल को पूरा समर्थन देगा: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र सरकार को आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार शहरी पुनर्विकास एवं बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने में उसकी पहल को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ उत्तरी मुंबई में 15 स्व-पुनर्विकसित आवासीय सोसायटियों की चाबियां वितरित करने के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र सरकार को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार शहरी पुनर्विकास और बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र सरकार को पूरा सहयोग देगी।पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश देते हुए कहा कि सरकार बेघर लोगों और वर्तमान में उसी इलाके में कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को पक्के घर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल का उद्देश्य परिवारों का भविष्य सुरक्षित करना, बच्चों और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। गोयल ने कहा कि इस क्षेत्र में हाल के दिनों में बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा कि मगाथाने मेट्रो स्टेशन के पास 1000 बिस्तरों वाले

अस्पताल का निर्माण तेजी से चल रहा है, जबकि पश्चिम कांदिवली में एक और 1000 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण की योजना है जिससे इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और सेवाओं में वृद्धि होगी। गोयल ने कॉस्टल रोड़ (वर्ली-बांद्रा) का वर्सोवा तक विस्तार और अटल सेतु के माध्यम से नए हवाई अड्डे को जोड़ने वाली प्रस्तावित तटीय सड़क सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सराहना की।

गोयल ने कहा कि ये परियोजनाएं मुंबई में भीड़-भाड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जल निकायों को प्रदूषित करने वाले अशोधित सीवेज जल की समस्या का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा रहा है। समुद्र में छोड़े जाने से पहले सीवेज के उचित शोधन को सुनिश्चित करने के लिए 26,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन शहरी विकास में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा यह सभी के लिए सुलभ और स?थायी आवास बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ मिलकर उत्तर मुंबई में 15 स्व-पुनर्विकसित 'हाउसिंग सोसायटी' की चाबियां बांटी। पीयूष गोयल मुंबई (उत्तर) से लोकसभा सदस्य हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये से लेकर 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,760 रुपये से लेकर 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में आज 100 रुपये की कमजोरी दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा

है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 88,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडिगो अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए तीन बोइंग 787 विमानों को पट्टे पर लेगी

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। बजट एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए अपने बेड़े में तीन अन्य बोइंग 787-9 विमान को शामिल करेगी। फिलहाल इंडिगो एयरलाइन दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल के लिए तुर्की एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए चौड़े आकार वाले दो बोइंग 777 विमानों का संचालन करती है।

इंडिगो एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि वह नॉर्स अटलांटिक एयरवेज के साथ नॉर्स अटलांटिक एयरवेज के साथ समझौते के तहत अपने बेड़े में तीन और बोइंग 787-9 विमान शामिल करेगी। कंपनी डैम्प लीज व्यवस्था के तहत विमान लेकर वह इस साल गर्मियों के मध्य से यूरोप के लिए उड़ानें शुरू करने की तैयारी कर रही है। फिलहाल गुरुग्राम मुख्यालय वाली एयरलाइन कंपनी मुंबई से इस्तांबुल के लिए दो वाइडबॉडी बोइंग 777 विमानों का संचालन करती है।

उल्लेखनीय है कि इंडिगो एक अग्रणी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय

भारतीय एयरलाइन कंपनी है जो कम लागत पर सस्ती, समय पर और परेशानी मुक्त संचालन प्रदान करती है।

सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम के साथ किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में फिनटेक और मैन्युफैक्चरिंग स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और पेटीएम ने हाथ मिलाया है। इसके तहत कंपनी स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा समर्थन, बाजार पहुंच तथा वित्त पोषण के अवसर उपलब्ध कराएगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने भारत में नवाचार को बढ़ावा देने और विनिर्माण तथा फिनटेक स्टार्टअप के विकास में तेजी लाने के लिए पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक सुमीत कुमार जारंगल और पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक

अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।मंत्रालय ने कहा कि इस सहयोग के तहत पेटीएम स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा सहायता, बाजार पहुंच और वित्त पोषण के अवसर प्रदान करेगा, जिससे उन्हें विस्तार और नवाचार में मदद मिलेगी।'' डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, ''पेटीएम की वित्तीय प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर हमारा उद्देश्य उद्यमियों को चुनौतियों से निपटने तथा उनके उद्यमों को बढ़ाने में सहायता करना है।''

पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने कहा कि पेटीएम मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी तक पहुंच के माध्यम से उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के पास पेटीएम का स्वामित्व है। उल्लेखनीय है कि डीपीआईआईटी ने पहले भी पेशेवर मंचों अपना, रुकम कैपिटल, अवाना कैपिटल, भाने ग्रुप, फ्लिपकार्ट और आईटीसी सहित कई कंपनियों के साथ इसी तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्र अगले पांच वर्षों में असम में जलमार्गों के विकास के लिए 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा : सोनोवाल

एजेंसी

नई दिल्ली/गुवाहाटी। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि केंद्र सरकार अगले 5 साल में असम में जलमार्ग और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यहां 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' के दूसरे दिन राज्य की सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र के दौरान यह ऐलान किया। सोनोवाल ने कहा कि अगले पांच साल में मंत्रालय असम में 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा। राज्य में समुद्री शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें पोत परिवहन उद्योग के लिए सालाना 5,000 कुशल युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह निवेश राज्य की जटिल और गतिशील

जलमार्ग प्रणाली की अपार क्षमता को सक्षम करेगा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में क्षेत्र के विकास और वृद्धि को गति प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आर्थिक वृद्धि में जलमार्गों के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 में भाजपा नीत सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला है। सोनोवाल ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र और शीर्ष पांच जहाज विनिर्माण देशों में से एक बनना है।

वीएएच ने बांड से जुटाये 31.63 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । वाराणसी से बिहार के औरंगाबाद तक 192 किलोमीटर लंबे राजमर्ग के छह लने विस्तार, संचालन और रखरखाव करने वाली कंपनी वाराणसी औरंगाबाद एनएच-2 टोलवे प्राइवेट लिमिटेड (वीएएच)ने डॉलर बॉन्ड जारी करके सफलतापूर्वक 31.63 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी देते हुये कहा कि बॉन्ड की कूपन दर 5.90 प्रतिशत है और यह करीब नौ साल में परिपक्व होगा। जुटाई गई धनराशि का उपयोग पुनर्वित्त और पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा। बॉन्ड की पेशकश को वैश्विक निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें ऑर्डर बुक 3.3 अरब डॉलर से अधिक हो गई, जो लगभग 10.4 गुना अधिक अभिदान मिला है। इस निर्गम में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों से 144 निवेशकों ने हिस्सा लिया, जो वीएएच की वित्तीय स्थिति और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। यह खंड, जो उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच संपर्क को बढ़ाता है, देश में आरओएडीआईएस द्वारा प्रबंधित बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल के तहत तीन राजमार्ग परियोजनाओं में से एक है। आरओएडीआईएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जोस एंटोनियो लैबरा ने सफल बॉन्ड निर्गम पर संतोष व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा, भारत हमारे लिए एक प्रमुख प्रमुख बाजार है और यह सफल बॉन्ड निर्गम देश के प्रति हमारी अटूट दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विप्रो ने विप्रो वेंचर्स में किया 20 करोड़ का नया निवेश

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रमुख प्रौद्योगिकी सेवा और परामर्श कंपनी विप्रो लिमिटेड ने अपने नवीनतम फंडिंग दौर में अपनी उद्यम शाखा विप्रो वेंचर्स में 20 करोड़ डॉलर निवेश करने की आज घोषणा की। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 10 साल पहले अपनी स्थापना के बाद से विप्रो वेंचर्स द्वारा जुटाई गई यह चौथी फंडिंग है और इसका उद्देश्य शुरुआती से लेकर मध्य-चरण के स्टार्टअप में कंपनी के निवेश को गति देना है।

2015 में अपनी स्थापना के बाद से, विप्रो वेंचर्स ने 37 स्टार्टअप में निवेश किया है, 250 से अधिक विप्रो ग्राहकों के लिए समाधान तैनात किए हैं और 12 सफल निकास हासिल किए हैं।

विप्रो के सीईओ और एमडी श्रीनि पलिया ने कहा कि यह निवेश स्टार्टअप को तेजी से बढ़ने, नवाचार करने और बड़े उद्यमों का समर्थन करने के लिए आईटी सेवा उद्योग के साथ सहयोग करने में मदद करने की विप्रो की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह निवेश विप्रो वेंचर्स के माध्यम से विघटनकारी प्रौद्योगिकियों में निवेश करने की विप्रो की दशक भर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री पलिया ने कहा, विप्रो वेंचर्स वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप हब में तकनीकी नवाचार में भाग लेने और योगदान देने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। यह नवीनतम निवेश स्टार्टअप को तेज़ी से बढ़ने, नवाचार करने और बड़े उद्यमों का समर्थन करने के लिए आईटी सेवा उद्योग के साथ सहयोग करने में हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हम एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र की कल्पना करते हैं जहाँ इन उभरती प्रौद्योगिकियों को वैश्विक स्तर पर तैनात किया जा सके, प्रगति को बढ़ावा दिया जा सके और इसमें शामिल सभी हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य बनाया जा सके। एसवाईएन वेंचर्स के सह-संस्थापक और जनरल पार्टनर जे लीक ने कहा, हम विप्रो वेंचर्स के साथ सह-निवेशक के रूप में वर्षों से काम करके खुश हैं। वे उद्योग में उभरते रुझानों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि विप्रो द्वारा लाया गया मूल्य-वर्धन स्टार्टअप्स को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने और दीर्घकालिक सफलता का आनंद लेने में सक्षम बनाएगा।

हमास ने गाजा में 4 इजरायली बंधकों के शव सौंपे

एजेंसी

गाज। हमास की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने बुधवार रात को चार इजरायली बंधकों के शव अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आईसीआरसी) को सौंप दिए। हमास के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि अल-कस्साम ब्रिगेड ने शवों को आईसीआरसी टीम को सौंप दिया और टीम उन्हें दक्षिणी गाजा पट्टी में केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से इजरायली सेना को सौंप देगी। अदला बदली के समझौते के पहले चरण के हिस्से के रूप में इजरायल द्वारा महिलाओं और बच्चों सहित 600 से अधिक फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करने की उम्मीद है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कैदियों के सैकड़ों फिलिस्तीनी परिवार अपने रिहा किए गए रिश्तेदारों का स्वागत करने के लिए गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में पहले ही एकत्र हो चुके हैं। फिलिस्तीनी कैदियों की देरी से रिहाई पर विवाद को हल करने के लिए मिस्र की मध्यस्थता में हमास और इजरायल के बीच हुए समझौते के बाद यह आदान-प्रदान हुआ है।

हमास ने ट्रम्प द्वारा साझा किए गए वीडियो की निंदा की

गाजा। हमास ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा साझा किए गए उस वीडियो की निंदा की है जिसमें गाजा को समुद्र तटीय रिसॉर्ट में बदलने के उनके दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है। हमास ने उन पर फिलिस्तीनी अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान की अनदेखी करने का आरोप लगाया। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासेम नैम ने कहा कि ट्रम्प के प्रस्ताव ÷गाजा की पीड़ा के वास्तविक कारणों, मुख्य रूप से चल रहे इजरायली कब्जे को नजरअंदाज करते हैं।' नैम ने एक बयान में कहा, ॅदुर्भाग्य से, ट्रम्प ऐसे विचारों को फिर से पेश कर रहे हैं जो फिलिस्तीनी लोगों की संस्कृति और हितों को ध्यान में नहीं रखते हैं।' उन्होंने कहा कि गाजा का पुनर्निर्माण तब तक निरर्थक होगा जब तक कि इजरायल द्वारा लगाए गए 'खुले जेल' को समाप्त नहीं किया जाता। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य जेल की स्थितियों में सुधार करना नहीं है, बल्कि कब्जे को समाप्त करना और इससे मुक्त होना है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी वास्तविक प्रगति एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना से जुड़ी है।

महफूज आलम बंगलादेश के नए सूचना सलाहकार नियुक्त

ढाका ।बंगलादेश की अंतरिम सरकार ने छात्र कार्यकर्ता महफूज आलम को सूचना एवं प्रसारण सलाहकार नियुक्त किया है। पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाने के लिए आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले आलम पहले से ही मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के विशेष सहायक का पद संभाल रहे हैं। इस बीच मुख्य सलाहकार यूनुस ने डाक, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले यह कार्यभार अन्य छात्र कार्यकर्ता नाहिद इस्लाम संभाल रहे थे। नाहिद ने मंगलवार को सूचना सलाहकार के पद से इस्तीफा दे दिया।

बिजनेस स्टैंडर्ड बीडी की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को सलाहकार परिषद की अनौपचारिक बैठक के बाद नाहिद ने श्री यूनुस को अपना त्यागपत्र सौंप दिया। इसके बाद देश के कैबिनेट डिवीजन ने आज आलम की नयी नियुक्ति की पुष्टि करते हुए परिपत्र जारी किया। आलम उस समय भी चर्चा में आये थे जब उन्होंने सोशल मीडिया में भारत विरोधी टिप्पणी की थी। पिछले वर्ष 20 दिसंबर को भारत ने आलम के ऐसे पोस्ट को लेकर बंगलादेश के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था, जब उन्होंने बांग्लादेश का विवादास्पद नक्शा साझा किया था, जिसमें भारत के पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र जैसे पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा शामिल थे।

अफगानिस्तान के हेलमंद में बाढ़ से छह लोगों की मौत, पांच घायल

लश्कर। दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में भारी बारिश की वजह से अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हुए हैं। प्रांतीय सूचना एवं संस्कृति निदेशक हाफिज अब्दुल बारी राशिद ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में अचानक आई बाढ़ ने गरश्क, संगिन, मूसा कला, नवाजाद, बाबाजी जिलों और प्रांत की राजधानी लश्कर गाह शहर सहित कई क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे पहले हेलमंद से सटे कंधार और फराह प्रांतों में मंगलवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में 29 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। वहीं, सोमवार से अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हुई है।देश के मौसम विभाग ने 34 में से 32 प्रांतों में हिमपात और रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान जताया है।

सैन्य विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 46

एजेंसी

खार्तूम। सूडान की राजधानी खार्तूम के उत्तर में हुए सैन्य विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खार्तूम स्टेट प्रेस ऑफिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कल हुई विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 46 हो गई है, जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। हताहतों में सैन्यकर्मी और नागरिक दोनों शामिल हैं। विमान ओमदुरमन के अल-हारा 75 क्षेत्र में एक घर पर गिर गया था। घायलों का इलाज सरकारी अस्पतालों में किया जा रहा है। सूडानी सेना ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि खार्तूम से लगभग 22 किलोमीटर उत्तर में ओमदुरमन के वाडी सेडना एयरबेस से उड़ान भरने वाला एंटोनोव विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद

दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसके चालक दल और कई सैन्य अधिकारी मारे गए। नाम न बताने की शर्त पर एक सैन्य सूत्र ने हादसे के लिए तकनीकी खराबी को जिम्मेदार ठहराया। चार लोगों के चालक दल वाला यह विमान कथित तौर पर एक सैन्य मिशन पर था, जिसमें कई उच्च पदस्थ अधिकारी सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान कम ऊंचाई पर उड़ रहा था, लेकिन अचानक नीचे गिर गया और घनी आबादी वाले इलाके में आग लग गई। सूडान न्यूज के अनुसार, हादसे में एक ब्रिगेडियर जनरल, कई अधिकारी और सैनिक तथा कम से कम पांच नागरिक मारे गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विमान का मलबा आवासीय घरों में बिखर गया, जिसमें कुछ घरों को काफी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय स्वयंसेवी समूह करारी प्रतिरोध समितियों ने बताया कि हादसे के बाद कई जले हुए पीड़ितों और 10 शवों को अस्पताल लाया गया। समूह ने जीवित बचे लोगों को लगी गंभीर चोटों का जिक्र किया। यह हादसा सूडान में चल रहे मानवीय संकट को और बढ़ाती है, जो अप्रैल 2023 से सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच संघर्ष में उलझा हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, हिंसा में 29,600 से अधिक लोग मारे गए हैं और 15 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

अमेरिका ने नासा के विज्ञान उपकरण पहुंचाने के लिए निजी चंद्र लैंडर लॉन्च किया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी कंपनी इंटुएटिव मशीन्स ने चंद्रमा पर यूएस नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के विज्ञान पेलोड पहुंचाने के लिए अपना दूसरा चंद्र मिशन लॉन्च किया।मिशन, जिसका कोडनेम आईएम-2 है, फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर रवाना हुआ।प्रक्षेपण के बाद इंटुएटिव मशीन्स का चंद्र लैंडर, एथेना, छह मार्च से पहले चंद्र सतह पर उतरने से पहले चंद्रमा पर पारगमन में लगभग एक सप्ताह बितायेगा।

नासा के अनुसार, लैंडर वैज्ञानिक उपकरणों से भरा हुआ है और चंद्रमा के पर्यावरण को और समझने के लिए नासा की विज्ञान जांच और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को ले जायेगा और चंद्रमा की सतह पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में मदद करेगा। आईएम-2 चंद्र गतिशीलता, संसाधन पूर्वेक्षण और उप-सतह सामग्री से अस्थिर पदार्थों के विश्लेषण को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है, जो पृथ्वी से परे जल स्रोतों को उजागर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इंटुएटिव मशीनों

के अनुसार, चंद्र सतह और अंतरिक्ष दोनों पर स्थायी बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए एक प्रमुख घटक है। गौरतलब है कि पिछले साल, इंटुएटिव मशीन्स ने इतिहास रचा जब इसके पहले चंद्र लैंडर ओडीसियस ने चंद्र सतह पर एक नरम टचडाउन किया, जो 50 से अधिक वर्षों में चंद्र सतह पर उतरने वाला पहला अमेरिकी अंतरिक्ष यान था।

नेपाल और चीन के बीच हुए समझौते से सत्तारूढ़ गठबंधन में विवाद

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच हुए जनजातीय क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने संबंधी समझौते से सत्तारूढ़ गठबंधन में विवाद हो गया है। यह समझौता नेपाल दौरे पर आए चीन के जनजातीय मामलों के मंत्री पान यू और नेपाल के राष्ट्रीय आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष राम बहादुर थापामगर के बीच हुआ है। इस समझौते को कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति दी गई और इसके लिए राष्ट्रीय आदिवासी जनजाति आयोग को अधिकृत किया गया। सरकार ने बुधवार सुबह को इसे सार्वजनिक किया। कैबिनेट बैठक में सहभागी कानूनमंत्री अजय चौरसिया ने कैबिनेट की फैसले में चीन के साथ समझौता किए जाने की जानकारी मीडिया से मिलने पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में न तो प्रधानमंत्री और ना ही विभागीय मंत्री के तरफ से कोई जानकारी दी गई थी। कानून मंत्री अजय चौरसिया ने कहा कि कांग्रेस के किसी भी मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है। सरकार में गृहमंत्री रहे नेपाली कांग्रेस के नेता

रमेश लेखक ने भी इस बारे में अनभिज्ञता व्यक्त की है। सोमवार की कैबिनेट की बैठक में गृहमंत्री लेखक की भी उपस्थिति थी। उन्होंने कहा कि चीन के साथ होने वाले समझौते की बात तो दूर उन्हें चीन के मंत्री की नेपाल भ्रमण तक की कोई जानकारी नहीं थी। वह जानकारी भी मीडिया से मिली नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी की बैठक बुलाकर इस विषय पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ओली यदि सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ विचार-विमर्श किए बिना ही इस तरह के फैसले करते रहे तो आने वाले दिन में इस गठबंधन के विषय में कोई न कोई फैसला लेना होगा।

बांग्लादेश-भारत के बीच 2019 के एमओयू पर सवाल, त्रिपुरा को जलापूर्ति रोकने की मांग

एजेंसी

ढाका । शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में तरह-तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। देश की अंतरिम सरकार तमाशबीन बनी हुई है। अब आधिकारिक समझौते के अभाव का हवाला देते हुए बांग्लादेश की फेनी नदी से भारत के त्रिपुरा राज्य को जलापूर्ति तत्काल बंद करने की मांग करते हुए एक कानूनी नोटिस जारी किया गया है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के वकील मोहम्मद महमूदुल हसन ने हाल ही में एक नोटिस जल संसाधन मंत्रालय के सचिव, विदेश मंत्रालय के सचिव और संयुक्त नदी आयोग के सदस्यों को भेजा है। इसमें बांग्लादेश और भारत की सरकारों के बीच 2019 के समझौता ज्ञापन (एमओयू) का जिक्र किया गया है। यह एमओयू भारत को त्रिपुरा में सबरूम शहर को पानी की आपूर्ति के लिए बांग्लादेश की फेनी नदी से 1.82 क्यूसेक पानी निकालने की अनुमति देता है।

नोटिस में दावा किया गया है कि यह एमओयू आधिकारिक समझौता नहीं है। साथ ही यह बांग्लादेश की संवैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 145 और 145ए के अनुसार, किसी विदेशी राज्य के साथ कोई भी समझौता राष्ट्रपति को प्रस्तुत किया जाना चाहिए और संसदीय सत्र में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। नोटिस में तर्क दिया गया है कि एमओयू में पारस्परिकता की कमी बांग्लादेश के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, क्योंकि भारत को जलापूर्ति के बदले में कोई लाभ नहीं दिया जा रहा है। नोटिस में इस बात पर चिंता व्यक्त की गई है कि भारत को अपने स्वयं के पंपों का उपयोग करके पानी निकालने की अनुमति दी गई है। यह बांग्लादेश की संप्रभुता का उल्लंघन है। यही नहीं, एमओयू 1.82 क्यूसेक की निकासी की अनुमति देता है जबकि भारत इससेअधिक मात्रा में पानी निकाल रहा है। इससे फेनी नदी के लिए गंभीर पर्यावरणीय जोखिम बढ़ रहा है। इस एमओयू के लिए पिछली अवामी लीग सरकार की भी आलोचना की गई है। कानूनी नोटिस में जोर दिया गया है कि जब तक कोई आधिकारिक समझौता नहीं हो जाता, तब तक त्रिपुरा को पानी की आपूर्ति तुरंत रोक दी जानी चाहिए और सभी भारतीय जल पंपों को फेनी नदी से हटा दिया जाना चाहिए। नोटिस में मांग की गई है कि यह कार्रवाई अगर 15 दिनों के भीतर नहीं की जाती तो उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फेनी नदी दक्षिण त्रिपुरा जिले से निकलती है और सबरूम शहर से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है। मुहुरी नदी (लिटिल फेनी) नोआखली जिले से इसके मुहाने के पास मिलती है।

आधुनिक और मजबूत सेना आज की जरूरत : किम जोंग उन

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक सैन्य अकादमी के दौरे के दौरान किसी भी युद्ध से निपटने के लिए एक मजबूत, आधुनिक सेना बनाने का आह्वान किया। राज्य मीडिया केसीएनए ने यह जानकारी दी।

किम का कांग कोन मिलिट्री अकादमी का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए रूस में हजारों सैनिक भेजे हैं। इस सप्ताह किम ने किम इल सुंग यूनिवर्सिटी ऑफ पॉलिटिक्स का भी दौरा किया, जो एक अन्य विशिष्ट कैडर प्रशिक्षण संस्थान है, जहां उन्होंने सैन्य निष्ठा और बलिदान का आह्वान किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने कहा कि किम का सैन्य इकाइयों और प्रशिक्षण का पिछला निरीक्षण रूस में अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी

का हिस्सा हो सकता है। केसीएनए ने कहा कि सैन्य अकादमी के हालिया दौरे के दौरान किम ने स्कूल के खराब प्रबंधन और शैक्षणिक सुविधाओं के संचालन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह एक शक्तिशाली सेना के निर्माण के लिए सत्तारूढ़ पार्टी की 'आधुनिकता और उन्नत चरित्र' की खोज को पूरा करने में नाकाम रहा।इसमें कहा गया कि किम ने सुविधाओं के नवीनीकरण और अभ्यास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए कार्य निर्धारित किए, ताकि छात्र 'आधुनिक युद्ध के वास्तविक अनुभवों' के बारे में सीख सकें, साथ ही उन्नत हथियारों और तकनीकी उपकरणों में निपुणता प्राप्त कर सकें।

केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा, 'वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति, जिसमें साम्राज्यवादियों की आक्रामक और युद्धप्रिय प्रकृति इतिहास में सबसे अधिक खुले तौर पर व्यक्त की गई है, युद्ध और रक्तपात आम बात हो गई है, तो ऐसे में सशस्त्र बलों को युद्ध का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार होने की जरुरत है।'

पाकिस्तान के मुस्तफा अमीर हत्याकांड पर सिंध के आईजी को नेशनल असेंबली की समिति ने तलब किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की आंतरिक मामलों की स्थायी समिति ने मुस्तफा अमीर के मामले पर संज्ञान लिया है। मुस्तफा की पिछले महीने कराची में हत्या कर दी गई थी। समिति ने सिंध के आईजी गुलाम नबी मेमन को नोटिस जारी किया है। उन्हें 28 फरवरी को समिति के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, नोटिस में कहा गया है कि आईजी सिंध को अन्य संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ मामले के संबंध में विवरण प्रस्तुत करना चाहिए। इससे पहले सिंध प्रांत के गृह विभाग ने सिंध हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार एक अधिसूचना जारी की। इसमें मुस्तफा अमीर हत्या मामले में आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) 1 में न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्तियों को रद्द कर दिया गया। यह कदम एटीसी 1 द्वारा मुस्तफा अमीर हत्या मामले के मुख्य आरोपित अर्माघन को रिमांड देने से इनकार करने के विवाद के बाद उठाया गया। एटीसी 1 न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्तियां एटीसी 3 के न्यायाधीश को हस्तांतरित कर दी गई हैं। इससे पहले 26 फरवरी को पुलिस ने मुस्तफा आमिर हत्याकांड के दो आरोपितों अर्माघन और शीराज को न्यायिक मजिस्ट्रेट साउथ की अदालत में पेश किया। मजिस्ट्रेट ने जांच अधिकारी की लापरवाही पर निराशा व्यक्त की जिसके कारण आरोपितों की पहचान परेड नहीं कराई जा सकी। धारा 164 के तहत गवाहों के बयान भी दर्ज नहीं किए जा सके। अदालत ने आरोपितों के वकीलों को नोटिस जारी किया और संदिग्धों को आज फिर से पेश करने का आदेश दिया।

गाजा पट्टी में फिर संघर्ष छिड़ने की आशंका, हमास ने नए कमांडर भर्ती किए

एजेंसी

तेल अवीव। हमास और इजराइल के बीच संघर्ष विराम और बंधकों की अदला-बदली के बीच गाजा पट्टी के आसमान पर अशांति के बादल मंडराने लगे हैं। इजराइल के किसी भी परिस्थिति में फिलाडेल्फी गलियारे से बाहर नहीं जाने की घोषणा से गाजा पट्टी में फिर संघर्ष छिड़ने की आशंका तेज हो गई है।हमास ने अपनी सशस्त्र शाखा के लिए नए कमांडरों की नियुक्ति की है।

एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि इजराइल फिलहाल गाजा पट्टी में फिलाडेल्फी कॉरिडोर को नहीं छोड़ेगा। यह कॉरिडोर (गलियारा) मिस्र के साथ गाजा की दक्षिणी सीमा तक है। इसकी कुल लंबाई 14 किलोमीटर है। स्थानीय निवासी इसे सलाह अल-दीन अक्ष कहते हैं। इजराइल के किसी भी परिस्थिति में फिलाडेल्फी

गलियारे से बाहर नहीं जाने की घोषणा के बीच आतंकवादी संगठन हमास ने भी अपनी सामरिक क्षमता को सुदृढ़ करना शुरू कर दिया है।द यरुशलम पोस्ट के अनुसार एक इजराइली अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि हमास के लड़कों को सीमा के पास पिकअप ट्रकों और बंदूकों के साथ घूमने की इजाजत नहीं दी जाएगी। खबरों में कहा गया है कि हमास को संभवतः इस बात का अंदाजा था। इसलिए उसने अपनी सशस्त्र शाखा के लिए नए कमांडरों की नियुक्ति की है। यही नहीं उसने अपने भूमिगत सुरंग नेटवर्क की मरम्मत भी शुरू कर दी है। अमेरिकी समाचार पत्र द वॉल स्ट्रीट जर्नल की बुधवार की खबर के अनुसार अरब के अधिकारियों ने कहा है कि हमास ने गाजा पट्टी में किसी भी इजराइली घुसपैठ का पता लगाने और उसका मुकाबला करने के लिए एक अलग शाखा की स्थापना की है। उसने सशस्त्र शाखा में नए कमांडरों की नियुक्ति की है। मौजूदा स्थिति से संघर्ष विराम के दूसरे चरण को लागू कराने के प्रयासों को धक्का लग सकता है।

ट्रंप प्रशासन को शीर्ष अदालत से राहत, दो अरब डॉलर की विदेशी सहायता का भुगतान करने के आदेश पर रोक

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने ट्रंप प्रशासन को आधी रात तक दो अरब डॉलर की विदेशी सहायता का भुगतान करने के आदेश पर रोक लगा दी। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था कि वह निचली अदालत की तय की गई सीमा पर भुगतान करने में असमर्थ है। सीएनएन की खबर के अनुसार, देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंचा यह मसला कार्यकारी शाखा के भीतर शक्ति को मजबूत करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक प्रयासों के साथ न्यायाधीशों को टकराव की राह पर ले जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट्स का आदेश मामले में उठाए गए अंतर्निहित प्रश्नों का समाधान नहीं करता। बल्कि, इसने अदालत को मामले में लिखित दलीलों की समीक्षा करने के लिए कुछ दिन का समय देने के लिए प्रशासनिक रोक लगाई है। मुख्य न्यायाधीश ने प्रशासन पर मुकदमा

करने वाले समूहों से तक जवाब देने को कहा। ट्रंप प्रशासन आधी रात की समय सीमा से कुछ घंटे पहले बुधवार देररात सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और न्यायाधीशों से तुरंत कदम उठाने का आग्रह किया। पिछले महीने पदभार संभालने के बाद ट्रंप दूसरी बार न्यायालय पहुंचे हैं। ट्रंप से संबंधित एक और लंबित मामला राष्ट्रपति द्वारा विशेष वकील के कार्यालय में नेतृत्व को बर्खास्त करने से संबंधित है।

नई अपील में मुद्दा विदेश विभाग और यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट से अरबों डॉलर की विदेशी सहायता का है। इसे जनवरी में ट्रंप ने रोक दिया था। पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा नामित अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमीर अली ने मामले पर विचार करते समय उस धन को जारी करने के लिए एक अस्थायी आदेश दिया था। अली ने रात 11:59 बजे तक भुगतान करने का आदेश दिया था। ट्रंप प्रशासन ने अदालत से कहा है कि न्यायाधीश के अनुरोध को पूरा करने में कई सप्ताह लगेंगे।

फेसबुक, इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध का रूस, अमेरिका के बीच विश्वास से कोई लेना-देना नहीं

एजेंसी

मॉस्को। रूस में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने गुरुवार को कहा कि यहां फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध मॉस्को और वाशिंगटन के बीच विश्वास से संबंधित नहीं है, कंपनियों को रूसी

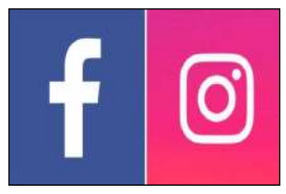

कानूनों का पालन करना होगा। श्री पेस्कोव ने समाचार पोर्टल के एक सवाल क्या रूस और अमेरिका के बीच विश्वास की बहाली की पृष्ठभूमि में रूस में मेटा की वापसी संभव है? के ,जवाब में कहा, यह विश्वास से जुड़ा नहीं है। यह रूस के कानूनों के कार्यान्वयन से जुड़ा है। और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अमेरिकियों के साथ हमारा कितना भी विश्वास है, यह किसी को भी रूसी कानूनों के कार्यान्वयन से मुक्त नहीं करेगा। अधिकारी ने कहा कि यदि मेटा और अन्य कंपनियां रूसी कानूनों का अनुपालन करती हैं तो वे रूस लौट सकती हैं, अधिकारी ने कहा कि रूसी कानूनों का अनुपालन करने की आवश्यकता यूट्यूब पर भी लागू होती है।

हमास के रिहा बंधकों की अंतिम खेप में भी नेपाली नागरिक विपिन जोशी नहीं, परिवार वाले निराश

एजेंसी

काठमांडू। इजरायल और हमास के बीच बंधकों की रिहाई की अंतिम खेप में भी नेपाली नागरिक विपिन जोशी के शामिल नहीं होने के बाद उनके जीवित रहने को लेकर परिवार वालों की उम्मीदें टूटने लगी हैं। विपिन की मां पद्मा देवी ने नेपाल के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा है कि अब तक हम सरकार के आश्वासन के सहारे बैठे थे, लेकिन अब हमारा धैर्य टूटने लगा है। हमास ने जब इजराइल पर 7 अक्टूबर, 2023 को हमला किया था, उसी दिन अन्य इजराइली नागरिकों के साथ नेपाली नागरिक विपिन जोशी को भी बंधक बना लिया गया था। इस दौरान करीब दर्जन भर नेपाली छात्रों की हत्या भी कर दी गई थी। बंधक बनाए गए नेपाली नागरिक विपिन जोशी

की रिहाई के लिए नेपाल की तरफ से लगातार कूटनीतिक प्रयास किये गए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम के पहले चरण में गुरुवार को हमास की तरफ से चार इजराइली नागरिकों के शव सौंपे जा रहे हैं। इजराइल की तरफ से भी 600 फिलिस्तीनियों को भी रिहा किया जा रहा है, लेकिन इनमें नेपाली नागरिक विपिन जोशी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। पहले चरण में युद्ध बंदियों की रिहाई का काम पूरा होने के साथ ही नेपाल में विपिन जोशी के परिवार वालों को उनके जीवित होने की उम्मीद कम लगने लगी है। जोशी की बहन पुष्पा जोशी ने बताया कि हमास की ओर से रिहा किए गए बंधकों की सूची में आज आखिरी दिन भी विपिन का नाम नहीं है, इसलिए उन्होंने नेपाल सरकार से अपने भाई के बारे में जानकारी देने की मांग की है।

विपिन की मां पद्मा देवी ने नेपाल के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा है कि अब तक हम सरकार के आश्वासन के सहारे बैठे थे, लेकिन अब हमारा धैर्य टूटने लगा है। अपने बेटे के जीवित रहने की उम्मीद भी कम होने लगी है।

सीएम योगी ने नाविकों का किया सम्मान, रजिस्ट्रेशन करके मिलेगा नाव का पैसा और बीमा कवर

***महाकुम्भनगर, 27 फरवरी ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में नाविकों के योगदान को लेकर उनके साथ संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नाविकों के लिए कई बड़ी घोषणाएं भी की। सीएम योगी ने कहा कि नाव चालकों को सरकार विशेष सुविधाएं देगी, जिसके तहत पहले नाविकों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके बाद नाव के लिए पैसा और 5 लाख रुपए तक बीमा कवर की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

त्रिवेणी संकुल में नाविकों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ के भव्य, दिव्य व सफल आयोजन में नाविकों के योगदान की सराहना की और सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने नाविकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान भारत माता की जय, गंगा मैया की जय और हर गंगा के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से निषादराज ने त्रेता युग में भगवान श्रीराम को गंगा पार कराई थी, उसी परंपरा को आज भी हमारे नाविक निभा रहे हैं। करोड़ों लोगों ने संगम में पहली बार स्नान किया। जिसमें नाव चालकों की विशेष भूमिका रही है। इसीलिए आज हम सभी आपके स्वागत के लिए यहां उपस्थित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि श्रृंगवेरपुर में भगवान श्रीराम और निषादराज की इतनी बड़ी प्रतिमा यहां स्थापित की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाविकों और निषाद समाज के कल्याण के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में मत्स्य पालन से जुड़े हुए सभी लोगों के कल्याण के लिए डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री कोष से एक योजना के तहत नाव उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए हर नाविक का पंजीकरण होगा और उसे सुरक्षा बीमा भी मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि किसान आपदा योजना के तहत मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना की तरह ही आपदा पर 5 लाख की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे ही नौका संचालन से जुड़े लोगों को भी यह सुविधा मिले, इसके लिए उनका रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। नाव के लिए पैसे उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, जिनका स्वास्थ्य बीमा कवर नहीं है, उन्हें आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर 5 लाख का बीमा कवर भी करवाएंगे। नाव संचालन से जुड़े लोगों को विशेष सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महाकुम्भ में करोड़ों श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया। जिसमें नाविकों ने अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, इन 45 दिनों में प्रत्येक नाविक ने अपनी मेहनत से लाखों रुपये कमाए होंगे। इतना बड़ा व्यवसाय पहले कभी देखने को नहीं मिला। यह सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि पूर्वजों की परंपरा का पालन भी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सिंचाई विभाग की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर संगम में इतना जल स्तर वर्षों बाद देखा गया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह महाकुम्भ को दिव्य और भव्य बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसके बाद नाविक संघ के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग की वजह से नाविकों को बहुत बड़ा रोजगार का अवसर मिला है। इसके बाद उन्होंने मांगों को लेकर एक पत्र भी मुख्यमंत्री को सौंपा है।

सीएम की सौगात, महाकुम्भ में लगे स्वच्छताकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों को 10 हजार रुपए अतिरिक्त बोनस का ऐलान

महाकुम्भ नगर, 27 फरवरी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज महाकुम्भ में कार्यरत रहे स्वच्छताकर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने सफाईकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों को उपहार के साथ ही स्वच्छ कुम्भ कोष से बीमा प्रमाण पत्र प्रदान किया और साथ ही मंच से ऐलान किया कि जो भी स्वच्छताकर्मी और स्वास्थ्यकर्मी महाकुम्भ के महाआयोजन में सहभागी बने, उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त बोनस के रूप में 10 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जाएगी। यही नहीं, सीएम योगी ने यह भी ऐलान किया कि अप्रैल से प्रदेश सरकार एक कॉर्पोरेशन का गठन करने जा रही है, जिसके माध्यम से हर स्वच्छताकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी और उन सभी कर्मियों को जिन्हें मिनिमम वेज नहीं मिल पाता था, उन्हें सरकार 16 हजार रुपए प्रतिमाह प्रदान करेगी। यह धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में भेजी जाएगी। इसके साथ ही सीएम ने यह भी कहा कि हर स्वच्छताकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी को आयुष्मान भारत या मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना के माध्यम से 500000 की स्वास्थ्य बीमा से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री के इस घोषणा का स्वच्छताकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हुए इस भव्य और दिव्य आयोजन के बाद आज आप सभी का अभिनंदन करने के लिए पूरी प्रदेश सरकार आपके बीच में है। इस आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान है। हमारी सरकार आपसे वादा करती है कि आपके वेलफेयर के लिए हम आगे भी लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि टीम भावना के साथ जब कोई कार्य होता है तो उसके परिणाम ऐसे ही होते हैं जैसे प्रयागराज महाकुम्भ में आज हमको देखने को मिल रहे हैं। आज आप सबने साबित कर दिया कि अगर थोड़ी भी इच्छा शक्ति हो और सही सपोर्ट मिले तो परिणाम कुछ भी लाया जा सकता है। सीएम योगी ने सभी स्वच्छताकर्मियों से अपील की कि स्वच्छता कार्यक्रम को अब नए सिरे से प्रस्तुत करना है। स्वच्छता का विशेष अभियान चलाना होगा। आज हमने इसकी शुरुआत की है। अब सभी अधिकारी, कर्मचारी भी इस अभियान में जुटें। मां गंगा के प्रति हमारी कृतज्ञता ज्ञापित होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि आपको सम्मानित करते हुए और आपके साथ सहभोज में हिस्सा बनते हुए हमारा मंत्रिमंडल अभिभूत है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 13 दिसंबर को प्रयागराज महाकुम्भ के शुभारंभ के लिए यहां आए थे। उससे पहले भी और उस दौरान भी उन्होंने बहुत सारा मार्गदर्शन दिया। भारत सरकार के सभी अधिकारी, सभी मंत्रालय इस आयोजन को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए प्राण प्रण से जुटे थे। हर विभाग में अपने स्तर पर इस आयोजन में भरपूर सहयोग किया और इसमें आर्थिक रूप से भी सहयोग करते हुए प्रयागराज के कायाकल्प को सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि आज महाकुम्भ के बहाने प्रयागराज शहर एक स्मार्ट सिटी के रूप में चमक रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि जो भी प्रयागराज आया उसने दो बातों की सराहना जरूर की। एक स्वच्छता और स्वच्छता कर्मियों की तो दूसरी पुलिस के व्यवहार की। ऐसे लगता था जैसे यह सबका अपना आयोजन हो। पूरा परिवार मिलकर कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा हो। यही नहीं, प्रयागराज वासियों ने भी इसे अपने घर का आयोजन बना लिया। जगह-जगह पर लंगर लगाए,

अतिथियों का अभिवादन किया, अपनी परेशानी को भूल करके वह इस आयोजन का हिस्सा बने। जिस सिटी में 25 से 30 लाख लोग रहते हैं वहां अचानक 7-8 करोड़ लोग आ जाएंगे तो क्या स्थिति होती होगी। जिस घर में पांच सदस्य रहते हैं और अचानक 10 लोग आ जाएं तो हालत खराब हो जाती है और यहां तो 20-20 गुना लोग आ रहे थे, लेकिन प्रयागराज वासियों ने पूरे धैर्य के साथ, खुशी के साथ इसे अपना आयोजन बना दिया और प्रयागराज से प्रेरित होकर पूरे प्रदेश ने इसमें अपना योगदान किया। जिस मार्ग से तीर्थयात्री और श्रद्धालु, पूज्य संत गए, उनके अभिनंदन और स्वागत के लिए प्रदेश वासी वहां नजर आए। प्रदेशवासियों ने आतिथ्य का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है उसके लिए उनका हृदय से अभिनंदन करता हूं।

सीएम योगी ने प्रदेश में टूरिज्म की नई संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि महाकुम्भ ने उत्तर प्रदेश के अंदर आध्यात्मिक टूरिज्म के कई सर्किट प्रस्तुत किए हैं। एक प्रयागराज से मां विंध्यवासिनी का धाम होते हुए काशी का सर्किट बना। जिस प्रकार प्रयागराज में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे थे, उसी तरह मां विंध्यवासिनी धाम में इस दौरान प्रतिदिन 5 से लेकर 7 लाख तक लोग जुटे थे। इसी तरह, काशी में बाबा विश्वनाथ धाम में 10 से लेकर 15 लाख श्रद्धालु एक दिन में रहते थे। एक और सर्किट बना अयोध्या धाम और गोरखपुर का, अयोध्या धाम में प्रतिदिन इस दौरान 7 लाख से लेकर 12 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे थे और गोरखपुर में पहली जनवरी से लेकर कल तक प्रतिदिन 2 लाख से ढाई लाख श्रद्धालु जुटते थे। तीसरा सर्किट बना प्रयागराज से श्रृंगवेरपुर होते हुए लखनऊ और नैमिषारण्य का, जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा रहा।

मां गंगा की पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री ने संगम तट पर प्रारंभ किया स्वच्छता अभियान

महाकुम्भ नगर, 27 फरवरी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह महाकुम्भ 2025 की औपचारिक पूर्णाहुति के लिए प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ नगर के अरैल घाट पर सफाईकर्मियों के साथ मिलकर घाट की सफाई की और गंगा तट पर स्नानार्थियों द्वारा छोड़ी गए वस्त्र आदि को साफ करने में अपने मंत्रियों के साथ श्रमदान किया। जल में मौजूद छोड़े गए वस्त्रों को निकालकर महाकुम्भ के उपरांत पूरे मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अभियान का शुभारंभ किया।

सफाई कार्य के बाद मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने जेटी से साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। संगम पहुंचकर सीएम योगी ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य रूप में मौजूद मां सरस्वती का विधिवत पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मंत्रिगणों के साथ मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर विधि-विधान से मां की आरती उतारी और लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने संगम स्नान को आए श्रद्धालुओं का भी अभिवादन किया।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अनिल राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आज दिनभर महाकुम्भ नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वे महाकुम्भ को

ऐतिहासिक, दिव्य, भव्य, स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में योगदान देने वाले कर्मचारियों और संस्थाओं से मुलाकात करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। शाम को सीएम योगी पुलिसकर्मियों से भी संवाद करेंगे और सुरक्षित महाकुम्भ के लिए उनका आभार प्रकट करेंगे। इसके अलावा, कुम्भ की व्यवस्था में लगे अधिकारियों और मेला प्रशासन से जुड़े लोगों के साथ भी उनकी बैठक प्रस्तावित है।

उपायुक्त किश्तवाड़ ने बिजली परियोजनाओं के लिए जलग्रहण क्षेत्र विकास योजना की समीक्षा की

किश्तवाड़ 27 फरवरी। उपायुक्त राजेश कुमार शवन ने जिले में चल रही बिजली परियोजनाओं के लिए जलग्रहण क्षेत्र विकास योजना पर चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में महत्वपूर्ण पर्यावरण संरक्षण योजना सहित बिजली परियोजना अधिकारियों द्वारा जलग्रहण क्षेत्र योजना के विकास और कार्यान्वयन से संबंधित पहलुओं के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया।

परियोजनाओं के प्रमुखों ने विस्थापित लोगों के लिए पुनर्वास और पुनर्वास योजना, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग योजना, प्रतिपूरक वनीकरण योजना, जैव विविधता प्रबंधन योजना, मत्स्य पालन प्रबंधन योजना और अन्य सहित योजना के विभिन्न प्रमुख पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

डीसी ने स्थानीय आबादी के कल्याण और पर्यावरण के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए इन परियोजनाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इस संबंध में, उन्होंने अधिकारियों को समय पर कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिजली परियोजनाएं किश्तवाड़ के विकास में सकारात्मक योगदान दें।

इसके अतिरिक्त, डीसी ने सभी परियोजना प्रमुखों को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय और भौतिक व्यय दोनों के लिए एक विस्तृत योजना साझा करने के लिए कहा। इससे इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निष्पादन में पारदर्शिता, उचित ट्रैकिंग और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

आलूबुखारा की खेती और देखभाल

आलूबुखारा या प्लम की खेती कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखण्ड में प्रमुख रूप से की जाती है। कुछ किस्में उप-पर्वतीय तथा उत्तरी पश्चिमी मैदानी भागों में भी पैदा की जाती है, ये सहिष्णु किस्में हैं और ये किस्में इस जलवायु में आसानी से पैदा होती है। आलूबुखारा को प्लम के नाम से भी जाना जाता है।

यदि बागान बंधु आलूबुखारा या प्लम की बागवानी से अधिकतम और गुणवत्तायुक्त उत्पादन चाहते है, तो इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए। इस आर्टिकल में कृषकों की जानकारी के लिए आलूबुखारा या प्लम की खेती वैज्ञानिक तकनीक से कैसे करें, की जानकारी का उल्लेख विस्तार से किया गया है।

यूरोपीय- प्लम को प्रुनस डोमेस्टिका कहते हैं और यह पश्चिमी एशिया का देशज है।

जापानी- प्लम का वैज्ञानिक नाम प्रूनस सालिसिना है जो चीन का देशज समझा जाता है। दोनों रोजेसी कुल के अन्तर्गत आते है।

उपयोग- आलूबुखारा एक स्वास्थवर्धक रसदार फल है। इसमें मुख्य लवण, विटामिन, प्रोटीन, कार्वोहाडट्रेट आदि प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। आलूबुखारा फल ताजे खाये जाते है और विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे जैम, जैली, चटनी एवं अच्छी गुणवत्ता वाली बरांडी बनायी जाती है। बीज में पाये जाने वाले 40 से 50 प्रतिशत तेल का उपयोग सौन्दर्य प्रसाधनों में दवा के रूप में प्रयुक्त होता है।

आलूबुखारा या प्लम की खेती पर्वतीय आंचल और मैदानी क्षेत्रों में

उपयुक्त जलवायु

सफलतापूर्वक की जाती है। इसका पेड़ लगाने के दो वर्ष बाद ही फूलना-फलना आरम्भ कर देता है और अधिक परिपक्वता के साथ साथ इसके पौधे से काफी अधिक उपज मिलती है।

आलूबुखारा या प्लम की खेती के लिए शीतल और गर्म जलवायु की आवश्यकता होती है। यूरोपीय आलूबुखारा को ख़ सेल्सीयस से कम तामपान लगभग 800 से 1500 घण्टों तक चाहिए जब कि जापानी आलूबुखारा को उक्त तापमान 100 से 800 घण्टो तक चाहिए। यही कारण है कि इसका उत्पादन कम ऊँचाई वाले स्थानों में और मैदानी क्षेत्रों में भी किया जाता है।

परन्तु इसकी उत्तम खेती समुद्रतल से 900 और 2500 मीटर वाले क्षेत्रों में होती है, ऐसे स्थान जहाँ बसन्त ऋतु में पाला पड़ता हो इसकी खेती के लिये अनुपयुक्त होते है। यूरोपीय अधिक ठंडक वाले तथा जापानी आलूबुखारा कम ठंडक वाले स्थानों में सफलतापूर्वक उगाये जाते है।

भूमि का चयन

आलूबुखारा या प्लम की खेती लगभग सभी प्रकार की भूमियों में की जा सकती है, लेकिन उपजाऊ अच्छे जल-निकास वाली गहरी 1.5 से 2 मीटर गहरी भूमि खेती के लिये उपयुक्त होती है। अधिक अल्यूमिनियम तत्व वाली और

अधिक अम्लता वाली मिट्टी आलूबुखारा के लिए उपयुक्त नहीं है।

आलूबुखारा या प्लम की खेती के लिए आपको अनेक किस्में मिल जाएंगी लेकिन हम यहां कुछ किस्मों के नामों का सुझाव दे रहे है, जो व्यावसायिक तौर पर उगाई जाती है, जैसे-

1. समुद्र तल से 2000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये सलिसिना वर्ग की प्रमुख किस्में-

जल्दी पकने वाली किस्में- फर्स्ट प्लम, रामगढ़ मेनार्ड, न्यू प्लम आदि प्रमुख है।

मध्य समय में पकने वाली किस्में- विक्टोरिया, सेन्टारोजा आदि आदि प्रमुख है।

देर से पकने वाली किस्में- मेनार्ड, सत्सूमा, मैरीपोजा आदि आदि प्रमुख है।

2. समुद्र तल से 2000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये डोमेस्टिका वर्ग की मुख्य किस्में- ग्रीन गेज, ट्रान्स पेरेन्ट गेज, स्टैनले, प्रसिडेन्ट आदि।

सुखाकर खाने वाली प्रून किस्में- एगेन, शुगर प्रून तथा इटैलियन प्रून आदि।

3. समुद्र तल से 1000 मीटर तक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये- फंटीयर, रैड ब्यूट, अलूचा परपल, हो, जामुनी, तीतरों, लेट यलो और प्लम लद्दाख प्रमुख है।

कुछ प्रमुख किस्मों का वर्णन इस प्रकार है, जैसे-

फंटीयर- फल सैंटारोजा से भारी और आकार में बड़ा, छिलका गहरा लाल बैंगनी, गूदा गहरे लाल रंग का, मीठा, स्वादिष्ट, सख्त, एक समान मीठा, सुगन्धित, गुठली से अलग होने वाला, फल भण्डारण की अधिक क्षमता तथा जून के अन्तिम सप्ताह तक पककर तैयार, पैदावार अधिक, पौधा ओजस्वी, सीधा ऊपर की ओर बढ़ने वाला, अधिक फलन के लिए परपरागण आवश्यक, इसके लिए सैन्टारोजा अच्छी परागण किस्म है।

रैड ब्यूट- फल मध्यम आकार के, ग्लोब की तरह व लाल एवं चमकीली त्वचा वाले, गूदा पीला, पिघलने वाला, मीठा और सुगंधित व गुठली से चिपके रहने की प्रवृति वाला, सैंटारोजा से दो सप्ताह पहले मई के अन्तिम सप्ताह में पक कर तैयार, पौधे ओजस्वी, मध्यम आकार के और नियमित फल धारण करने वाले होते है।

टैरूल- फल मध्यम से बड़े आकार के गोल, पीले रंग के व लालिमा लिए हुए, गूदा पीला, पिघलने वाला, समान रूप से मीठा, अच्छी सुगन्ध वाला, गुठली से चिपका हुआ व सैंटारोजा से एक सप्ताह बाद में जुलाई के दूसरे सप्ताह में पकने वाला, पौधे ओजस्वी, मध्यम आकार के व अधिक पैदावार देने वाले होते है।

ध्यान दे- कुछ आलूबुखारा की किस्में स्वयं परागण करने में समर्थ नही है, इसलिए बीच बीच में परागण किस्में लगाएं जो उत्तम पैदावार के लिए अति आवश्यक है।

आलूबुखारा की यूरोपीय वर्ग की किस्मों, जैसे- ग्रीन गेज, इटैलियन प्रून तथा शुगर प्रून में फल स्वपरागण से बनते है। इसलिए इन किस्मों की फलत के

परागण

लिए किसी परागकारी किस्म की आवश्यकता नहीं होती है

। परन्तु कुछ किस्में जैसे- एगेन, 'जेफरसन' तथा 'प्रेसिडेट' अपने पराग से फल नहीं बनाती, इन्हें परागण तथा फलत के लिए अन्य किस्मों के पराग की आवश्यकता होती है। इसलिए परागकर्ता के रूप में सेन्टारोजा और रेड हार्ट किस्मों को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि यह एक बहुत अच्छी व्यावसायिक किस्म है।

जापानी वर्ग की अधिकाशं आलूबुखारा किस्मों में स्व-अनिशेच्यता पायी जाती है। इसलिए इन्हे परागण के लिए अन्य किस्मों जैसे- सेन्टारोजा या मेरीपोजा की आवश्यकता पड़ती है। ब्यूटी और मिथले जो कि जापानी वर्ग की किस्में है, में स्वय-परागण से फल लग जाते हैं। यदि इन किस्मों के साथ अन्य परागकर्ता किस्में भी लगा दी जायें तब फलत और भी अच्छी होगी।

(By: Bhupender; Source: Dainik Jagriti; Compiled by: C.M. Sharma)